चैत्र शुक्ल पक्ष चतुर्थी, संवत् 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 274 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
01 अप्रैल 2025 मंगलवार

आज का मौसम
36 अधिकतम
20 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

नाम में सब कुछ... अब मप्र में सीएम राइज स्कूल सांदीपनि ऋषि के नाम से जाने जाएंगे

शाला प्रवेशोत्सव शुरू : अतीत पर रिसर्च व सुधार की जरूरत : सीएम

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने आज से मप्र में शुरू हुए शाला प्रवेशोत्सव यानि %स्कूल चलें हम% अभियान का आगाज़ नए अंदाज में किया। उन्होंने राजधानी के शासकीय नवीन स्कूल में राज्य स्तरीय प्रवेशोत्सव कार्यक्रम में राज्य के सभी सीएम राइज स्कूलों का नाम बदलकर अब सांदीपनि स्कूल रखने की घोषणा आज की। सीएम ने कहा कि ÷सीएम राइज स्कूल का नाम ऐसा लगता था जैसे अंग्रेजों के जमाने का हो, इसलिए इसे बदलकर सांदीपनि ऋषि के नाम पर किया गया है÷ उल्लेखनीय है कि यह सीएम राइज़ स्कूल यादव के पूर्ववर्ती सीएम शिवराज सिंह के कार्यकाल में अस्तित्व में आए थे। आज इस मौके पर मुख्यमंत्री यादव ने कहा कि हमारे देश के ऐसे कई उदाहरण अतीत के है जिन उदाहरणों की तरफ जब हम देखेंगे तो हमको लगता है कि उन घटनाओं के बारे में पुनर्विचार व रिसर्च करने की जरूरत है और कई जगह सुधार की जरूरत भी है। यादव ने भगवान कृष्ण का उदाहरण देते हुए कहा कि स्कूल चले अभियान पांच हजार साल पहले चला था। श्रीकृष्ण को शिक्षा के लिए उज्जैन में सांदीपनि ऋषि के आश्रम में भेजा गया था। उन्होंने कहा कि शिक्षा किसी भी परिस्थिति में बाधित नहीं होनी चाहिए छात्रों को सलाह दी कि अपना लक्ष्य तय करें व समय का

मुख्यमंत्री मोहन यादव के साथ स्कूल चले हम अभियान के शुभारंभ पर भोपाल के नवीन विद्यालय में विद्यार्थियों के साथ सेल्फी ली, बच्चों को निशुल्क पुस्तकें व उपहार दिए।

सदुपयोग करें। कार्यक्रम में जनजातीय कार्य मंत्री विजय शाह, स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह और प्रभारी मंत्री चैतन्य कुमार कश्यप भी मौजूद थे। मुख्यमंत्री ने नवप्रवेशी विद्यार्थियों का स्वागत किया व राष्ट्रीय स्तर के विभिन्न खेलों के प्रतिभावान विद्यार्थियों का सम्मान तथा शिक्षा पोर्टल 3.0 का शुभारंभ भी किया गया। ज्ञात हो कि प्रदेश में करीब 92 हजार सरकारी स्कूल हैं। इनमें प्रायमरी, मिडिल, हाई और हायर सेकेंडरी स्कूल हैं। इन स्कूलों में लगभग 85 लाख बच्चे

जिलों में भी हो रहा प्रवेशोत्सव कार्यक्रम

प्रदेश में जिले के प्रभारी मंत्री जिला स्तरीय प्रवेशोत्सव कार्यक्रम में शामिल हुए है। यह कार्यक्रम चयनित शालाओं में हो रहा है। कार्यक्रम में सांसद, विधायक एवं अन्य जन-प्रतिनिधि भी शामिल हुए है। उपस्थित छात्र-छात्राओं को निःशुल्क पाठ्य-पुस्तकें वितरित की जा रही हैं। स्कूल शिक्षा विभाग ने ऐसी व्यवस्था की है कि नए शैक्षणिक-सत्र की शुरुआत में विद्यार्थियों को पाठ्य-पुस्तकें मिल जाएं।

पहली बार समय पर शैक्षणिक सामग्री बंटी, जुलाई से साइकिल

शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप ने कहा कि बच्चे देश का भविष्य हैं और उनकी शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए सरकार हरसंभव प्रयास कर रही है। उन्होंने घोषणा की कि इस साल आज 1 अप्रैल से, जब छात्र अपने विद्यालय में प्रवेश करेंगे, तो शासन द्वारा दी जाने वाली किताबें उनके बैग में पहले से उपलब्ध होंगी। यह पहली बार हुआ है कि पूरे राज्य के प्रत्येक जिले में शैक्षणिक सामग्री समय पर वितरित कर दी गई है। प्रदेश में पहली बार शिक्षा के क्षेत्र में कई नवाचार हो रहे हैं। अब जुलाई में बेटियों को साइकिल उपलब्ध कराई जाएगी।

कैबिनेट: इधर सीएम लोक परिवहन सेवा को मंजूरी

भोपाल। मप्र में लोक परिवहन सेवाओं को फिर शुरू करने के प्रस्ताव पर आज मोहन यादव मंत्रिपरिषद विचार कर रही है। सुगम लोक परिवहन योजना की घोषणा बजट में की गई थी और बजट में इसके लिए 80 करोड़ रुपये के प्रावधान किए गये हैं। कैबिनेट बैठक में इसे मंजूरी के बाद अमल की शुरुआत होगी। सबसे पहले 'सरकारी बस सेवा' की शुरुआत भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, उज्जैन, सागर व रीवा जैसे 7 संभागों से होगी। इसके लिये एक लोक परिवहन कंपनी बनेगी, जिसका मुख्यालय भोपाल होगा। विभाग ने इसके लिए एक साल में 500 नए रूटों पर लोक परिवहन सेवा शुरू करने का लक्ष्य रखा है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2004 से राज्य परिवहन निगम को निष्क्रिय करने के बाद से प्रदेश में परिवहन सेवा निजी ऑपरेटरों के भरोसे है। ज्यादातर क्षेत्रों व रूटों पर मनमानियों का अंबार है।

दो मालगाड़ियों में सीधी भिड़ंत के बाद लगी आग, दो पायलट की मौत

मेन लाइन से लूप में डाला और हादसा

रांची, एजेंसी

झारखंड के साहिबगंज में आज तड़के दो मालगाड़ियों की सीधी टक्कर हो गई है। इस हादसे में दो लोको पायलट की मौत हो गई है। वहीं सुरक्षा में लगे सीआईएसएफ के चार जवान घायल हो गए हैं। बताया जा रहा है कि एक मालगाड़ी पटरी पर खड़ी थी। इसी बीच उसी ट्रैक पर दूसरी मालगाड़ी आ गई। इस वजह से दोनों ट्रेनों की सीधी टक्कर हो गई। हादसे में जिन 2 लोको पायलट की मौत हुई उनमें से अंबुज महतो बोकारो के रहने वाले थे। वहीं बीएस मॉल बंगाल के थे। घायलों का इलाज बरहेट सदर अस्पताल में चल रहा है। टक्कर के बाद कोयला लदी मालगाड़ी में आग लग गई और कई बोगियां पटरी से उतर गई। मौके पर पहुंची दमकल गाड़ियां आग पर काबू पाने में जुट गई। हादसे में घायल हुए असिस्टेंट लोको पायलट के मुताबिक पथरा से रेलवे लाइन बदली थी। 40 किमी पहले हमने बरहेट कंट्रेल रूम से बात की तो कहा गया कि मेन लाइन क्लियर है। मगर 34 किमी बाद भी पूछा तो वही बात कही गई। जब ट्रेन वहां पहुंची तो मेन लाइन बंद थी, लूप लाइन चालू थी और उसमें पहले से ट्रेन खड़ी थी।

ट्रेक बम से उड़ाया: उधर साहिबगंज में एनटीपीसी एमजीआर रेलवे ट्रैक को बदमाशों ने बम से उड़ा दिया है। इसमें ट्रैक का 470 सेंटीमीटर टुकड़ा क्षतिग्रस्त हो गया। ब्लास्ट इतना जोरदार था कि रेलवे ट्रैक का हिस्सा 39 मीटर दूरी जा गिरा।

सुरक्षाबलों की आतंकियों से कठुआ में मुठभेड़, एक ढेर

श्रीनगर, एजेंसी

जम्मू-कश्मीर के कठुआ में पंजतीर्थी मंदिर के पास बीती रात से चल रही मुठभेड़ में एक आतंकी मारा गया है। हालांकि, सुरक्षाबलों ने इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। बताते हैं कि सेना के राइजिंग स्टार कॉर्प्स के मुताबिक 31 मार्च की रात इलाके में संदिग्ध गतिविधि की सूचना मिली, जिसके बाद सेना ने सर्चिंग शुरू की। आतंकियों की तरफ से फायरिंग के बाद एनकाउंटर शुरू हो गया। सुरक्षाबलों ने रातभर इलाके की घेराबंदी की, ताकि जंगल में छिपे 3 आतंकी भाग न सकें। हालांकि, मंगलवार सुबह 7 बजे के बाद फायरिंग रुकी है। कश्मीर पुलिस, एनएसजी, सीआरपीएफ और बीएसएफ स्निफर डॉग्स और ड्रोन से आतंकियों की तलाश कर रही है। यह 9 दिन में तीसरी मुठभेड़ है।

कोठी में एडल्ट कंटेंट, मोटी कमाई पर ईडी की छापेमारी

दो पोर्न वेबसाइट पर लाइव स्ट्रीमिंग की जाती थी

नोएडा, एजेंसी

दिल्ली से सटे नोएडा की एक कोठी में एडल्ट कंटेंट की शूटिंग और इससे मोटी कमाई का मामला ईडी ने पकड़ा है। इस कंटेंट की साइप्रस की एक कंपनी की मदद से दो पोर्न वेबसाइट पर लाइव स्ट्रीमिंग की जाती थी। इससे कोठी में रहने वाले दंपति एक घंटे में 50 हजार से 5 लाख रुपए तक की कमाई कर रहे थे। खबरों के मुताबिक 23 करोड़ रुपए की कमाई पर प्रवर्तन निदेशालय की नजर थी। उसने हाल में नोएडा के सेक्टर-105 की आलीशान कोठी पर रेड डाली तो पोर्न वेबसाइट पर अश्लील कंटेंट से करोड़ों की कमाई का खुलासा हुआ। ये कोठी दिल्ली के एक डॉक्टर की है। इसे एक कपल ने पिछले कुछ सालों से किराए पर ले रखा है। कपल इसका इस्तेमाल अश्लील कंटेंट बनाने के लिए कर रहे थे। जांच एजेंसी को पता चला है कि यहां रात में ब्लैक फिल्म वाली गाड़ियों में मॉडल

बुलाई जातीं। कोठी के फर्स्ट फ्लोर पर स्टूडियो था। उसमें मल्टी कैम से एडल्ट कंटेंट की शूटिंग होती थी। छापेमारी के दौरान डायरेक्टर पति-पत्नी और तीन मॉडल्स मिलीं।

अंनत अंबानी द्वारकाधीश मंदिर की पदयात्रा पर निकले

अहमदाबाद, एजेंसी

एशिया के सबसे अमीर आदमी मुकेश अंबानी के बेटे अनंत अंबानी इन दिनों चर्चा में हैं। वे रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के डायरेक्टर भी हैं और गुजरात में 140 किलोमीटर से ज्यादा की पदयात्रा कर रहे हैं। यह पदयात्रा जामनगर से द्वारकाधीश मंदिर तक है। वे तड़के अंधेरे में अपने समर्थकों और सुरक्षाकर्मियों के साथ पैदल चलते हुए दिखाई दिए। अनंत ने बताया कि उनकी पदयात्रा जामनगर

स्थित उनके घर से शुरू हुई है। यह यात्रा पिछले पांच दिनों से चल रही है। जामनगर से द्वारका की दूरी 140 किलोमीटर से ज्यादा है। अनंत ने एक वीडियो में कहा कि हम दो-चार दिनों में पहुंच जाएंगे। युवाओं को द्वारकाधीश पर विश्वास रखना चाहिए। इससे हर काम बिना किसी बाधा के जरूर पूरा होगा।

गृहमंत्री शाह 13 को आ सकते हैं नीमच

भोपाल, दोपहर मेट्रो

केंद्रीय गृह व सहकारिता मंत्री अमित शाह 13 अप्रैल को मप्र के नीमच आ सकते हैं। यहां एक राष्ट्रीय कार्यक्रम प्रस्तावित है। इसमें सुरक्षा बल, सहकारिता व राष्ट्रीय डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड से जुड़े कामों को गति दी जानी है। सभी कार्यक्रम केंद्रीय गृहमंत्री की मौजूदगी में होने है।, जिसमें सीएम डॉ. मोहन यादव भी रहेंगे। वह पूर्व में ही शाह को मप्र आने का न्यौता भी दे चुके हैं। सूत्रों के मुताबिक शाह देशभर में सहकारी क्षेत्र में दूध के उत्पादन, एकत्रितकरण, विपणन और सहकारिता क्षेत्र के तहत किए जाने वाले विभिन्न कामों को भी हरी झंडी देंगे। इसी कार्यक्रम में राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड द्वारा मध्यप्रदेश के 6 सहकारी दुग्ध संघों, 6 हजार सहकारी दुग्ध उत्पादन समितियों व दुग्ध शीत केंद्रों को टेकओवर किया जाएगा। अभी इन संघों का संचालन राज्य सरकार के अधीन किया जा रहा है। यह टेकओवर अगले 5 वर्षों के लिए होगा।

शेयर बाजार में हड़कंप, सेंसेक्स 1300 अंक गिरा

मुंबई। नए वित्त वर्ष के पहले ही कारोबारी दिन आज शेयर बाजार भारी गिरावट का शिकार हुआ है। सेंसेक्स 1,300 अंक से ज्यादा की गिरावट के साथ 76,100 के स्तर पर कारोबार कर रहा है तो निफ्टी में भी करीब 350 अंक की गिरावट का शिकार है और 23,200 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से आज 28 में गिरावट है। आईटी और बैंकिंग शेयर्स में ज्यादा गिरावट देखने को मिल रही है। निफ्टी के 50 शेयरों में से 38 में गिरावट है। बताया जाता है कि एशियाई बाजारों में जापान के निक्केई, हॉन्गकॉन्ग के हैंगसेंग इंडेक्स और चीन के शंघाई कम्पोजिट में तेजी है।

मप्र में बिजली, रजिस्ट्री महंगी

भोपाल। आज से नया वित्तीय वर्ष शुरू होने के साथ ही मध्यप्रदेश की जनता पर महंगाई का दबाव बढ़ गया है। अब लोगों को बुनियादी सुविधाएं जैसे- बिजली, पानी, मकान खरीदने और हाईवे पर चलने के लिए ज्यादा कीमत चुकानी पड़ेगी। गत दिवस ही विद्युत नियामक आयोग ने नोटिफिकेशन जारी कर बिजली की दरों में 3.46 प्रतिशत की बढ़ोतरी कर दी है। तीन साल में नियामक ने दो बार बिजली के दाम बढ़ाए हैं। अब घरेलू और कमर्शियल बिजली उपभोक्ताओं को एक यूनिट बिजली के दाम 3.46 प्रतिशत ज्यादा देने होंगे। वहीं भोपाल में कलेक्टर ने 1800 से ज्यादा इलाकों में प्रॉपर्टी के रेट ब?ा दिए हैं। भोपाल नगर-निगम पानी के ज्यादा पैसे वसूलने की तैयारी कर रहा है। इंदौर-देवास हाईवे के टोल टैक्स में भी नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने वृद्धि कर दी है।

मेट्रो एंकर

आज से नया महीना और नये नियम प्रभावी, बजट प्रावधान भी लागू

कमर्शियल सिलेंडर 44 रु. सस्ता, 12 लाख तक कमाई टैक्स फ्री

नईदिल्ली, एजेंसी

आज से शुरू हुआ अप्रैल का महीना फिर से कई सारे नियमों में बदलाव लेकर आया है। इसके अलावा आज से ही सरकार का नया बजट और उसमें की गई घोषणा भी प्रभावी हो गई हैं। इनमें सबसे महत्वपूर्ण यह कि अब 12 लाख रुपए तक की कमाई पर इनकम टैक्स नहीं देना होगा। इसके अलावा आज से मारुति सुजुकी, टाटा मोटर्स, किआ इंडिया, हुंडई इंडिया और होंडा की गाड़ियों के दाम लगभग चार फीसद तक ब?1 गए है। वहीं आज से 19 किलो वाला कॉमर्शियल सिलेंडर 44.50 रू तक सस्ता हो गया है। ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने एविएशन टर्बाइन फ्यूल की कीमतों में भी घटाया है। इससे हवाई सफर सस्ता हो सकता है लेकिन पेट्रोल-डीजल की कीमतों में आज भी कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपए लीटर, तो डीजल 87.62 रुपए लीटर है। वहीं मप्र,महाराष्ट्र समेत कई राज्यों में पेट्रोल 100 रूपए से ज्यादा में बिक रहा है। नए नियमों के चलते अब यदि कोई यूपीआई

ट्रांजैक्शन करता है और बैंक से लिंक्ड आपका मोबाइल नंबर लंबे समय से इनएक्टिव है तो इस नंबर पर यूपीआई इस्तेमाल नहीं हो सकेगा। ऐसे नंबरों को सिस्टम से हटा दिया जाएगा। ऐसे में लोगों को पेमेंट करने में परेशानी हो सकती है। दूसरी तरफ वरिष्ठ नागरिकों को बैंक और पोस्ट ऑफिस के ब्याज से होने वाली कमाई पर मिलने वाली टैक्स छूट को 50 हजार से बढ़ाकर 1 लाख रुपए किया गया है। यानी अब ब्याज की इनकम पर वरिष्ठ नागरिकों को 1 लाख रुपए तक की राहत मिलेगी।

इसी तरह नेशनल पेंशन स्कीम तहत आने वाले केंद्रीय कर्मचारी अब यूनिफाइड पेंशन स्कीम का फायदा ले सकते हैं। इस स्कीम में कम से कम 25 साल की सर्विस वाले कर्मचारी अपने अंतिम 12 महीनों के औसत मूल वेतन के 50 फीसदी के बराबर पेंशन के लिए पात्र होंगे। इसमें न्यूनतम पेंशन 10 हजार रुपए महीने की गारंटी भी है। यह योजना पुरानी पेंशन स्कीम ओपीएस, नई पेंशन स्कीम और कर्मचारियों की विभिन्न मांगों के बीच एक संतुलन बनाने के लिए लाई गई है। इसी तरह यदि यूलिप यानी, यूनिट लिंक्ड इंश्योरेंस प्लान का प्रीमियम प्रति वर्ष 2.5 लाख रुपए से अधिक है, तो इसे कैपिटल एसेट माना जाएगा। ऐसे यूलिप को भुनाने से होने वाली किसी भी फायदे पर कैपिटल गेन टैक्स लगेगा। यूलिप एक ऐसा प्रोडक्ट है जिसमें प्रीमियम का एक हिस्सा शेयर बाजार में निवेश किया जाता है।

क्या है टैक्स का गणित

न्यू टैक्स रिजीम के तहत अब 12 लाख रुपए तक की कमाई पर कोई टैक्स नहीं देना होगा। नौकरीपेशा लोगों के लिए 75 हजार के स्टैंडर्ड डिडक्शन के साथ यह छूट 12.75 लाख रुपए हो जाएगी। न्यू टैक्स रिजीम में 20 से 24 लाख की इनकम के लिए 25% टैक्स का नया स्लैब भी शामिल किया गया है।

बैंक 19 दिन बंद रहेंगे

नये बदलावों के साथ ही अब पूरे महीने में बंपर बैंक हॉलिडे भी हैं। 30 दिनों के अप्रैल के महीने में आधे से ज्यादा 16 दिन बैंकों में कोई काम-काज नहीं होगा, यानी छुट्टी रहेगी। इनमें चार रविवार और दो शनिवार भी शामिल हैं। भारतीय रिजर्व बैंक की बैंक हॉलिडे लिस्ट के मुताबिक इस माह महावीर जयंती,अंबेडकर जयंती,गुड फ्राइडे समेत कई अन्य अवकाश भी शामिल हैं।

हेरिटेज होटल का 'एटमॉस्फियर' अजब, शुरुआती दौर में ही विवाद

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी में धरोहरों व रवायतों को सहेजने और सुरक्षित रखने के लिए लोगों में फिक्र तो है लेकिन इन धरोहरों के 'किराएदार' अपनी मनमानी से सारा 'एटमॉस्फियर' खराब करने पर आमादा हैं। ताजा मामला शहर के पुराने हिस्से में नवाबकाली इमारत 'सदर मंजिल' का है, यह इमारत पहले नगर निगम का मुख्यालय दशकों तक रही है। बाद में कुछ साल के रिनोवेशन के बाद इस इमारत को अब जगमग पांच सितारा हैरिटेज होटल का रूप दे दिया गया है। मगर यह होटल-रेस्तरां अपने अजब नियमों के चलते ख्यात होने से पहले विवादों में घिर गया है। दरअसल यहां के रेस्टोरेंट में प्रबंधन ने अजब नियम लागू किया है, कि यहां पर 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को ही प्रवेश दिया जाएगा। इससे ज्यादा उम्र के बच्चे नहीं आ सकेंगे बल्कि सिर्फ 'कपल' आ सकेंगे। चूंकि होटल नया-नया खुला है, लिहाजा परिवार के साथ यहां पहुंचने वाले लोग इस नियम के चलते शर्मिंदा हो रहे हैं।

हाल में वन विभाग के पूर्व पीसीसीएफ मनोज

सपरा जब अपने परिवार संग यहां लंच करने पहुंचे तो इस नियम के शिकार बने, चूंकि वे इस नियम के विरोध में मुखर हुए इसलिये यह पोल भी खुल सकी। हाल में सपरा अपनी पत्नी,बेटे-बेटी व पोते के साथ पहुंचे तो होटल की महिला कर्मचारी ने उन्हें लंच की अनुमति देने से मना कर दिया और रेस्टोरेंट का दरवाजा बंद रखा। उसका कहना था कि होटल की नीति केवल जोडों और 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को प्रवेश देने की है। सपरा द्वारा काफी समझाने के बाद भी और अपने बेटे के साथ होने की बात कहने के बावजूद प्रबंधन नीति का हवाला देता रहा तो सपरा व उनका परिवार लौट आया। हालांकि उन्होंने इसकी शिकायत स्मार्ट सिटी प्राधिकरण से भी की, क्योंकि इस हैरिटेज होटल को स्मार्ट सिटी कंपनी ने ही नया रूप दिया है और अब होटल संचालन के लिए निजी कंपनी को रखा है। लिहाजा नीतियां वह ही तय करेगी। हालांकि इस घटना के सामने आने के बाद अब होटल संचालन करने वाली कंपनी बैकफुट पर भी है।

एंट्री नियमों का शिकार हुआ पीसीसीएफ का परिवार

किरकिरी के बाद मुफ्त लंच की मिन्नतें !

बताया जाता है कि होटल प्रबंधन की तरफ से इस घटना के उछलने के बाद डैमेज कंट्रोल भी किया जा रहा है। खबरों के मुताबिक इस तरह की स्थिति दोबारा न बनने देने की बात भी की जा रही है। बताते हैं कि होटल की तरफ से बाद में सपरा को फोन भी गया और उनसे गुजारिश की गई कि वे सपरिवार लंच के लिए आएं, होटल ने उन्हें मुफ्त व अपनी मेजबानी में लंच का आफर भी किया लेकिन सपरा ने उस होटल की मेजबानी मंजूर करने से भी इंकार कर दिया।

बस्ती में शराब दुकानें... कहीं विरोध प्रदर्शन तो कहीं जाप व सद्बुद्धि यज्ञ

राजधानी के कई इलाकों में जारी है विरोध प्रदर्शन

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी में शराब के नए ठेके शुरू होने से पहले से ही शराब दुकानों की शिफ्टिंग का मामला तूल पक?ा हुआ है। हालांकि अक्सर हर वित्तीय वर्ष की शुरूआत में यह समस्या खडी होती है। लोग भी विरोध में उतरते हैं और प्रशासन व लाइसेंसी दुकानदार विकल्प तलाश में घूमते हैं। हाल में अवधपुरी में ऋषिपुरम तिराहे पर शराब दुकान खुलने का विरोध जारी है। रविवार रात में लोगों ने रैली-धरना देकर प्रदर्शन किया, जबकि सोमवार को सद्बुद्धि के लिए रामायण का पाठ भी किया गया। इस प्रदर्शन में महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। रहवासियों का कहना है, जिस जगह दुकान खुल रही है, उससे 50 मीटर के दायरे में ही मंदिर, स्कूल, अस्पताल और बस स्टॉप भी है। इस बात को अनदेखा किया जा रहा है। रात में धरना प्रदर्शन करने के बाद सोमवार को इन लोगों ने मंत्री कृष्णा गौर से भी शिकायत की। प्रदर्शन कर रहे लोगों ने अब इस स्थान पर रामायण पाठ का इरादा किया है। ताकि, दुकान खोलने वालों को सद्बुद्धि मिले और वह दुकान को अन्य कहीं शिफ्ट कर लें। उधर वार्ड नंबर-34 स्थित मालवीय नगर में नई शराब दुकान खुल रही है। इसका विरोध इसलिये हो रहा है क्योंकि इसके

पास ही विधायक रेस्ट हाउस, बिडला मंदिर भी है। वहीं, घना रहवासी इलाका भी है। पार्षद पप्पू विलास घाड़गे को ज्ञापन सौंपने के बाद कई महिलाएं स?क पर उतर भी चुकी हैं ।काले झंडे लेकर उन्होंने दुकान के सामने प्रदर्शन भी किया था। वहीं, कल वे महापौर मालती राय से भी मिलने पहुंचीं और दुकान न खोले जाने की मांग की। उधर बावड़ियाकलां चौक में शराब दुकान खोलने के विरोध इसलिये हैं क्योंकि जहां दुकान खोली जा रही है, उससे सिर्फ 50 मीटर दूर ही अस्पताल और रहवासी इलाका है। वहीं, मंदिर होने से लोगों की धार्मिक भावनाएं आहत हो रही है। यहां पर दुकान के लिए स्ट्रक्चर तैयार हो रहा था। जैसे ही लोगों को यहां दुकान खुलने की खबर मिली, वे एकजुट होकर विरोध करने लगे। कॉलोनी के महिला-पुरुष मैदान में उतर गए।लोगों का कहना है कि यह केवल नियमों का उल्लंघन है बल्कि यह सामाजिक माहौल को भी बिगाड़ सकता है। वहीं राजधानी के संत हिरदाराम नगर (बैरागढ़) और सांई राम कॉलोनी सेमरा गेट से शराब दुकानें अन्य जगहों पर शिफ्ट करने की भी मांग है। इसे लेकर पिछले दिनों कई महिलाएं हाथों में तख्तियां लेकर अफसरों के पास पहुंच चुकी हैं। महिलाओं ने जल्द दुकान शिफ्ट नहीं होने पर आंदोलन करने की चेतावनी भी दी थी। स्टेशन रोड स्थित सांई राम कॉलोनी सेमरा गेट मुख्य मार्ग पर शराब दुकान है। यह धार्मिक स्थल और स्कूल के नजदीक है। इस दुकान के सभी दस्तावेज चांदबड़ के नाम से हैं। बावजूद इसके यह सांई राम कॉलोनी में है। इन दुकानों से विजय नगर, सांई राम कॉलोनी, बाबू कॉलोनी, लक्ष्मीपुरी, सेमरा के हजारों लोग हर रोज परेशान हैं। लोगों का कहना है कि कई बार शराबी गंदी हरकतें करते हैं। जिससे बच्चों और महिलाओं को परेशानी होती है। कई बार शिकायत कर चुके हैं, लेकिन सिर्फ आश्वासन ही मिलता है। महिलाएं फिर से शिकायत लेकर कलेक्टोरेट पहुंची थीं।

'त्योहार हमें एक स्थान पर मिलने का अवसर देता है'

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भानपुर मंडल अध्यक्ष निलेश गौर, वार्ड 72 के पार्षद, जोन 16 के अध्यक्ष विकास पटेल, वार्ड 7 के पार्षद राजू राठौर, वार्ड 74 की पार्षद शकुन सिंह लोधी, विधायक प्रतिनिधि विनोद साहू के नेतृत्व में होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार), गोविंदपुरा विधानसभा की विधायक कृष्णा गौर ने कहा कि होली हमें सिखाता है कि व्यक्ति जितना भी ताकतवर, रसूखदार हो बुराई और अधर्म का अंत होता है, आपस में एक-दूसरे से

मिलकर खुशियां बाटने, बड़ों का सम्मान कर आशीर्वाद प्राप्त करने का त्यौहार है। भारतीय नव वर्ष गुड़ी पड़वा, चैत्र नवरात्र से शुभारंभ होता है, पूरा देश भक्तिमय हो जाता है । त्यौहार के माध्यम से हमें एक स्थान पर मिलने का अवसर तथा आनंदित होने का अवसर प्रदान होता है। संबोधन से पूर्व गौर ने नौ कन्याओं का पूजन किया। उनका मंडल अध्यक्ष, पार्षदगण, विधायक प्रतिनिधि ने शाल, श्रीफल से किया स्वागत, भानपुर मंडल पदाधिकारीगण, महिला मोर्चा, युवा मोर्चा, किसान मोर्चा, पिछड़ा वर्ग मोर्चा, अनुसूचित जाति मोर्चा मंडल पदाधिकारीयों, पटेल मार्केट व्यापारी संघ पदाधिकारियों ने भी बड़ी माला से किया स्वागत । समापन पर स्वादिष्ट भोजन का आनंद लिया ।

कलश निकाली गई कथा का शुभारंभ

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रतिवर्ष के अनुसार हिंदू नववर्ष के अवसर पर शिव शक्ति सेवा समिति द्वारा प्रेम नगर कालोनी मंदिर में आयोजित होने जा रही श्रीमद भागवत कथा हेतु नगर में निकाली जा रही कलश यात्रा में सम्मिलित होकर पुण्य लाभ अर्जित किया। इस अवसर पर कथा व्यास आचार्य कृष्णकांत त्रिपाठी का शुभाशीष प्राप्त हुआ,यात्रा में क्षेत्रीय पार्षद एवं जोन अध्यक्ष देवेंद्र भार्गव एवं वरिष्ठ भाजपा नेता सुधीर गुप्ता मुख्य रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम संयोजक राकेश श्रीवास्तव एवं समस्त आयोजन समिति को आयोजन की शुभकामनाएं।

जेएसएस के प्याऊ : जून तक जल सेवा के लिए 11 स्थानों पर

- संतनगर, गांधीनगर, लालघाटी क्षेत्र में सेवादारी करेंगे जल सेवा

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

सामाजिक संस्था गर्मियों में जीव सेवा संस्थान द्वारा भोपाल शहरमें 11 निःशुल्क प्याऊ से जल सेवा शुरू की है। इन अस्थायी प्याऊ का उद्देश्य शहरवासियों को शुद्ध और ठंडा पेयजल उपलब्ध कराना है, जिससे गर्मी के मौसम में पानी की कमी की समस्या से राहत मिल सके। संस्थान के सचिव महेश दयारामानी ने कहा कि पानी जीवन का आधार है और गर्मियों में इसकी आवश्यकता अत्यधिक बढ़ जाती है। इस

अभियान के माध्यम से संस्थान लोगों को निःशुल्क, स्वच्छ और शीतल जल उपलब्ध कराने का पवित्र कार्य कर रहा है। यह पहल संस्थान के सेवा भाव और समाज के प्रति समर्पण को दर्शाती है। जल सेवा की शुरूआत संत हिरदारामजी साहिब की प्रेरणा से शुरू हुई थी, जिसे सिद्धभाउजी के मार्गदर्शन में निरंतर किया जा रहा है। की जीव सेवा संस्थान हर गर्मियों में अस्थायी प्याऊ स्थापित करता है, जो जून तक चलती हैं।

कहां- कहां लगे प्याऊ : संत हिरदाराम जी साहिब की कुटिया, एम.पी.ई.बी. कार्यालय (संतनगर), दशहरा मैदान गेट (सिविल अस्पताल के सामने), नई सब्जी मंडी (संतनगर), सीहोर नाका, लालघाटी चौराहा (भोपाल), संत आशाराम चौराहा (बायपास रोड, गांधीनगर) गांधीनगर थाने के सामने, गांधीनगर नगर निगम, सब्जी मंडी, गांधीनगर, संतनगर थाने के सामने अस्थायी प्याऊ स्थापित किए गए हैं, जिनसे सुबह प्रातः 9-30 बजे से शाम 5-30 बजे तक उपलब्ध रहेगी। जिसे सायं 7.30 बजे तक बढ़ाया जाएगा।

आशीर्वाद समारोह विदाई नहीं, नई शुरूआत: वासवानी

संस्कार स्कूल में 12वीं के बच्चों का विदाई समारोह

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

दीपमाला पागारानी संस्कार पब्लिक स्कूल में 12वीं के विद्यार्थियों आत्मीय पलों में विदाई दी गई एवं उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दीपक लालचंदानी थे। रिटायर्ड कर्नल नारायण पारवानी व संस्था के पदाधिकारियों ने कार्यक्रम की शुरूआत परंपरागत तरीके से की। चेलानी ने विद्यार्थियों से कहा कि आपने अपने जीवन के 15 साल संस्कार विद्यालय में बिताये। आपको अपने लक्ष्य पर टिके रहेंगे है तो आप जीवन में सफलता की ऊँचाईयों को छूयेंगे। संस्था के अध्यक्ष सुशील वासवानी ने सभी का अभिवादन करते हुये कहा कि आशीर्वाद समारोह में हम आपको अलविदा नहीं कह रहे हैं, अलविदा तो कभी होता ही नहीं है। यहां से आपकी नई शुरूआत होगी। पारवानी कहा कि अब आपके ऊपर जिम्मेदारी ब? जायेगी, अब आपके जीवन के फैसले आपको स्वयं लेने होंगे लेकिन हमेशा याद रखना की एक सही फैसला आपकी जिन्दगी बना सकता है, तो एक गलत फैसला आपका जीवन खराब भी कर सकता है। लालचंदानी ने कहा कि आज आप संस्कार विद्यालय से विदा हो रहे है। कोशिश करना कि जीवन में हमेशा छोटा रहना है बस अपने विचार ऊँचें रखना। छात्र-छात्राओं को विभिन्न अलंकरण दिए गए, जिसमें मिस्टर संस्कार शिवम सेन, मिस संस्कार पूजा गौर, मिस्टर इव प्रिंस जनयानी, मिस इव पूजा आडटानी व अन्य अलंकरण भी दिए गए। संस्था के विद्यालय के प्राचार्य आर. के मिश्रा, प्रधानाचार्या मृदुला गौतम व शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित थे। चन्दर नागदेव ने आभार प्रदर्शन किया।

फोटो- संस्कार

मेट्रो एंकर यूरोलॉजी शिविर में सेवाएं देने वाले डॉक्टरों और चिकित्सा कार्मिकों का सम्मान

सिद्धभाऊजी ने मरीजों से कुशलक्षेम पूछी, कहा- साल में दो बार लगे कैंप

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

संतनगर में 100 वां फ्री यूरोलॉजी शिविर का समापन चिकित्सा सेवा देने वाले विशेषज्ञों एवं स्टॉप के सम्मान के साथ समाप्त हुआ। सेवासदन चिकित्सालय चले शिविर में 536 मरीजों का पंजीयन कर उनकी जांचें की गई। कैम्प में आये डॉक्टर्स ने इन मरीजों का परीक्षण, पैथालॉजी, एक्सरे, सोनोग्राफी और फिटेनस जांच करने के पश्चात कुल 70 मरीजों के ऑपरेशन किए।

यह शिविर जीव सेवा संस्थान के सहयोग से लगाया गया। ऑपरेशन के अलावा अन्य 466 मरीजां का डॉक्टर्स द्वारा परीक्षण कर इनका निःशुल्क इलाज किया गया। ऐसे मरीजों को 15 दिन की दवाइयां मुफ्त में दी गईं। शिविर के अंतिम दिन सिद्धभाऊजी ने डॉक्टर्स, चिकित्सा कर्मियों और सेवादारों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ऐसे कैम्प साल में दो बार लगना चाहिए ताकि अधिकाधिक जरूरतमंद मरीजों को पूरे सालभर इंतजार ना करना पड़े। भाऊजी ने उन सभी डॉक्टरों से मुलाकात की, जिन्होनें देश-विदेश से यहां आकर अपनी सेवाएं दीं। उन्होंने सभी डॉक्टर्स का स्मृति चिन्ह व प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मान किया। इस अवसर पर ट्रस्टी सुरेश आवतरामानी, तुलसी आडवानी, और राजकुमार मूलचंदानी उपस्थित थे।

31 सालों में 11 हजार ऑपरेशन

सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय के प्रबंधन ट्रस्टी ए.सी साधवानी ने कहा कि गुजरात के विभिन्न अस्पतालों से आये 30 पेरामेडिकल कर्मचारी जिन्होंने कैम्प में अपनी सेवाएं दी हैं वे भी धन्यवाद के पात्र है। संत सेवक एल.सी. जनियानी ने बताया कि विगत 31 साल से यूरोलॉजी शिविर लगाना शुरू किये थे। तब से लेकर अब तक शिविर में 52 हजार रोगियों का उपचार व 11 हजार से अधिक ऑपरेशन किए जा चुके हैं।

इन डॉक्टरों ने दीं सेवाएं

शिविर में सुविख्यात यूरोलॉजिस्ट डॉ. अमर सिंह, डॉ. जीतेन्द्र अमलानी, डॉ. दर्शन शाह, डॉ. नीरज शर्मा, डॉ. प्रशान्त जैन, डॉ. अमीश मेहता, डॉ. गौरव बवादिया, डॉ. हीत अमलानी, डॉ. प्रवीण बलदानियां, डॉ. विकास कौशिक, डॉ. कविता और डॉ. श्याम लालचंदानी, डॉ. नरेश हिमथानी, डॉ. दीपक झांगियानी डॉ. सी.पी. देवानी, डॉ. सुधीर लोकवानी, डॉ. दिलीप चोटरानी और डॉ. दीपक राज्यगुरू ने अपनी सेवाएं दी।

सिंधु नव जागरण समिति की सांस्कृतिक संध्या आज

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो. सिंधु नवजागरण समिति द्वारा चेतीचांद पर मंगलवार को सिंधी सांस्कृतिक संध्या व सिंधी मेले का आयोजन किया जाएगा, जिसमें विकास गिदवानी, प्रियंका केसवानी व प्रिया ज्ञानचंदानी अपने बम्बई, नागपुर व रीवा के कलाकार प्रस्तुतियां देंगे। एक अप्रैल को रात्रि 8 बजे साधु वासवानी स्कूल ग्राउण्ड पर। कार्यक्रम में मेले में बच्चों के लिए झूले व स्टाल लगाए गए हैं। इसके अलावा आम भंडारे का आयोजन भी किया गया है। कार्यक्रम में शामिल होने की अपील समिति अध्यक्ष राम पारदासानी, माधु चांदवानी, नरेश चोटरानी, रमेश वाधवानी, सुरेश चोटरानी, आसनदास वाधवानी, घनश्याम लालवानी, महेश खटवानी, मुरली गुरबानी, हरीश वलेचा, महेश दादलानी, दिलीप दीनानी, हीरो आडवानी, मनोहर सतानी, कन्हैया नागदेव, मूलचंद रामचंदानी, महेश हासानी, अनिल टेकचंदानी, कमलेश छुगानी, राम लेखवानी, इन्द्र जनयानी व अन्य ने की है।

भव्य शोभायात्रा के लिए जताया आभार

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो। चैतीचांद पर संतनगर में निकली भव्य शोभा यात्रा के लिए बोरवन क्लब ने आयोजन समिति और संयोजक कन्हैयालाल इसरानी को बधाई दी है। क्लब के अध्यक्ष जगदीश आसवानी ने कहा बीते तीन सालों से निकलने वाली शोभा यात्रा में आस्था, उमंग और उल्लास का रंग पर्व को यादगार बना देता है। इसके पीछे आयोजन समिति के एक-एक कार्यकर्ता की मेहनत होती है। चैतीचांद पर संतनगर में हर गली, हर मंदिर, हर दिल से केवल जय श्री झूलेलालजी की जयकार हुई। कहीं भजनों की आवाज, कहीं सुखो सेसा के वितरण से पूरा संतनगर झूलेलालमय हो गया था। आसवानी ने शोभा यात्रा में शामिल मातृ शक्ति, युवा वर्ग और हजारों सिंधीजनों का आभार व्यक्त किया।

सृजन पोर्टल पर 19 तक नवाचारों के प्रोजेक्ट अपलोड कर सकेंगे छात्र

आरजीपीवी द्वारा अपलोडेड प्रोजेक्ट्स की प्रारंभिक समीक्षा 21 अप्रैल से शुरू होगी

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित कार्यक्रम सृजन पोर्टल पर, शोधार्थी विद्यार्थियों के नवाचारी प्रोजेक्ट्स विवरण अपलोड करने की सुविधा 25 मार्च से शुरू कर दी गई है। सृजन पोर्टल पर संबंधित संस्थाओं द्वारा अप्लाई किये जाने वाले प्रोजेक्ट्स के बारे में विस्तृत विवरण अपलोड करने की व्यवस्था की गई है। संस्थान अपने विद्यार्थियों के नवाचारी प्रोजेक्ट, सृजन कार्यक्रम के पोर्टल पर अपलोड कर सकते हैं। विद्यार्थियों के नवाचारी प्रोजेक्ट्स विवरण 19 अप्रैल तक पोर्टल में जमा किए जा सकेंगे। विश्वविद्यालय द्वारा अपलोडेड प्रोजेक्ट्स की प्रारंभिक समीक्षा 21 अप्रैल से शुरू होगी। सृजन कार्यक्रम में प्रत्येक मॉडल श्रेणियों के लिए विभिन्न पुरस्कार दिए जायेंगे। प्रत्येक मॉडल श्रेणी में प्रथम पुरस्कार (तकनीकी एवं उच्च शिक्षा) के लिए कुल 12 पुरस्कार दिए जाएंगे, इनमें प्रत्येक को 20 हजार रुपए की राशि दी जाएगी। प्रत्येक मॉडल श्रेणी में द्वितीय पुरस्कार (तकनीकी एवं उच्च शिक्षा) के लिए कुल 12 पुरस्कार दिए जाएंगे, इन्हें 15 हजार की राशि दी जाएगी। प्रत्येक मॉडल श्रेणी में तृतीय पुरस्कार (तकनीकी एवं उच्च शिक्षा) के लिए कुल 12 पुरस्कार दिए जाएंगे, इन्हें 10 हजार रुपए की राशि दी जाएगी। तकनीकी एवं उच्च शिक्षा सहित प्रत्येक श्रेणी में 6, इस प्रकार कुल 12 सांत्वना पुरस्कार दिए जाएंगे, इन्हें 5 हजार रुपए की राशि दी जाएगी। तकनीकी एवं उच्च शिक्षा सहित प्रत्येक श्रेणी में छः, इस प्रकार कुल 12 महिला सशक्तिकरण (विशेष ज्यूरी) पुरस्कार दिए जाएंगे, इन्हें भी 5 हजार की राशि दी जाएगी। प्रत्येक प्रतिभागी को प्रतियोगिता का प्रमाण पत्र भी प्रदान किया जाएगा।

हर टीम में 1 फैकल्टी मेंबर और अधिकतम 4 विद्यार्थी

प्रत्येक प्रोजेक्ट की टीम में 1 फैकल्टी मेंबर और अधिकतम 4 विद्यार्थी सम्मिलित हो सकेंगे। ज्यूरी के माध्यम से प्रत्येक श्रेणी में प्रथम 50 प्रोजेक्ट्स को चयनित किया जाएगा। डिस्प्ले योग्य 30 प्रोजेक्ट्स को प्रत्येक श्रेणी में डिस्प्ले के लिए अंतिम रूप से चयनित किया जाएगा। प्रोजेक्ट्स का मूल्यांकन शिक्षा और उद्योग विशेषज्ञों के संयुक्त दल द्वारा किया जाएगा। शीर्ष 150 प्रोजेक्ट्स का चयन कर अंतिम सूची 30 अप्रैल को जारी कर दी जाएगी। प्रदर्शनी स्थल पर सभी चयनित प्रोजेक्ट लीडर्स को 9 मई को रिपोर्टिंग करनी होगी। प्रदर्शनी का शुभारम्भ 10 मई को होगा। कार्यक्रम का समापन 11 मई को, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर किया जाएगा।

प्रोजेक्ट्स किये जा सकेंगे डिस्प्ले

सृजन कार्यक्रम के अंतर्गत तकनीकी एवं उच्च शिक्षण संस्थानों के लिए तीन प्रकार के मॉडल निर्धारित किए गए हैं। इसके अनुसार पहला मॉडल वर्किंग मॉडल है, इसमें प्रैक्टिकल एप्लीकेशन को दर्शाने वाले वर्किंग मॉडल डिसप्ले किए जा सकेंगे। दूसरा मॉडल डेमोंस्ट्रेटिव मॉडल है, इसमें प्रोजेक्ट वीडियो अथवा भौतिक प्रस्तुतीकरण किए जा सकेंगे। तीसरा मॉडल सिमुलेशन-आधारित प्रोजेक्ट्स हैं, इसमें प्रक्रियाओं, डिजाइनों या भविष्य की संभावनाओं को सिमुलेशन के माध्यम से प्रदर्शित करने वाले प्रोजेक्ट्स प्रदर्शित किए जा सकेंगे। सृजन कार्यक्रम के अंतर्गत तकनीकी एवं उच्च शिक्षण संस्थानों के लिए, मॉडल की छः प्रकार की श्रेणियां भी निर्धारित की गई हैं। इनमें रूरल टेक्नोलॉजी, क्लीन एंड ग्रीन एनर्जी, इंडस्ट्री 4.0/5.0, वेस्ट मैनेजमेंट, स्वास्थ्य विज्ञान/लाइफ साइंस एवं स्मार्ट एजुकेशन शामिल हैं।

वक्फ बिल पर भ्रम दूर करेंगे भाजपा के जिलाध्यक्ष व पदाधिकारी

छोटी बैठकें व संवाद होगा

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

भाजपा के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश ने भाजपा जिलाध्यक्षों और प्रदेश पदाधिकारियों को कहा है कि समाज के सामने कभी ऐसे विषय आ जाते हैं, जिसका लाभ लेकर कुछ लोग भ्रम फैलाने का प्रयास करते हैं। इसको लेकर पार्टी को सतर्क रहना है और जिम्मेदारी के साथ ऐसे भ्रमों को दूर करने के लिए समाज के बीच जाकर सही बात रखना है। इसके लिए जरूरी है कि पार्टी के नेता और कार्यकर्ता मुद्दों को लेकर सजग रहें। भाजपा प्रदेश कार्यालय में संगठन के कामकाज को लेकर प्रदेश पदाधिकारियों और जिलाध्यक्षों की बैठक में यह बात रखी गई। इस दौरान सीमएम मोहन यादव भी मौजूद थे।

शिवप्रकाश ने कहा कि वन नेशन वन इलेक्शन का बिल, वक्फ बोर्ड का विधेयक ये दोनों ही जनता के बेहतरी के लिए हैं, लेकिन इसको लेकर जो भ्रम फैलाया जा रहे है, उसको लेकर पार्टी पदाधिकारियों को कार्यकर्ता के साथ बैठकें कर जागरूक करना चाहिए। इसके लिये अ?पने आसपास, मोहल्ले, समाज और देश के मुद्दों पर चर्चा कर जनता को भी वास्तविकता से अवगत कराएं। ताकि देश और समाज को तो?ने के मंसूबे पालने वाले सफल ना होने पाएं। शिवप्रकाश ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता सामाजिक समरसता को लेकर सजग रहे और इस मुद्दे पर सक्रियता से काम करें। वहीं मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि सरकार हर जिले में विकास समितियों का गठन करने जा रही है, इन समितियों से मिलने वाले सुझावों पर सरकार अमल करेगी। जिला स्तर पर जो भी अच्छे कार्यक्रम हों, पार्टी कार्यकर्ता उनमें पुलिस बैंड की सेवाएं लें। जल गंगा संरक्षण अभियान में हिस्सा लें। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष वीडी शर्मा ने कहा कि हर बूथ पर पार्टी का स्थापना दिवस मनाया जाए।

सीएम के आरोप- कांग्रेस ने बढ़ाई बेरोजगारों की फौज

भोपाल। सीएम डॉ. मोहन यादव ने कांग्रेस पर बेरोजगारों की फौज बढ़ाने के आरोप लगाए है। कहा कि कांग्रेस ने शिक्षा को मजाक बनाकर रखा था। कांग्रेस ने कभी ध्यान ही नहीं दिया, जिसके कारण आक्रांताओं का महिमा मंडन किया। सीएम ने ये आरोप महेश्वर में लगाए।

सोनिया गांधी के लेख में उठाए नई शिक्षा नीति पर सवाल: हाल में कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी का एक लेख प्रकाशित हुआ है, जो नई शिक्षा नीति के कई बिंदुओं पर सवाल उठाते हुए लिखा गया है। जैसे ही यह लेखा सामने आया तो इस पर बहस छिड़ गई। भाजपा के कई नेताओं ने इस पर आपत्ति दर्ज कराई है। सीएम ने भी कड़ी आपत्ति दर्ज कराई है। कहा कि कांग्रेस के समय की शिक्षा नीति में हमारे सभी महापुरुषों के साथ अन्याय किया। उस समय की नीति अंग्रेजी शासन काल से प्रेरित थी, जिसमें आक्रांताओं का महिमा मंडन किया गया था। नई शिक्षा नीति में युवा अपने आराध्य को याद कर सकते हैं, तीन-तीन पीढ़ियां एक साथ पढ़ सकती है, रोजगार परख शिक्षा प्राप्त कर सकती है। नई शिक्षा नीति में सभी विषयों को समाहित किया है, देश के इतिहास को शामिल कर युवा पीढ़ी को दिशा देने का काम किया है। इस पर सवाल उठाना अल्प ज्ञान को दर्शाता है।

मुख्यमंत्री अधिवक्ता कल्याण स्कीम के 2.16 करोड़ अंतरित

12 हजार रुपए के मान से नवीन अधिवक्ताओं को मिलेगी सहायता राशि

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार मुख्यमंत्री अधिवक्ता कल्याण स्कीम के तहत राज्य अधिवक्ता परिषद् जबलपुर के बैंक खाते में 2 करोड़ 16 लाख रूपये अंतरित कर दिए गए है। राशि वित्त वर्ष 2024-25 के लिएअंतरित की गई है। इस स्कीम के तहत 12 हजार रूपये के मान से प्रत्येक नवीन अधिवक्ता को सहायता राशि प्रदान की जाती है।

चलो पढ़ें - आगे बढ़ें

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

'स्कूल चलें हम' अभियान

राज्य स्तरीय प्रवेशोत्सव कार्यक्रम-2025

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

मुख्य अतिथि

डॉ. मोहन यादव

मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

01 अप्रैल, 2025 | प्रात: 9:30 बजे

शासकीय नवीन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अरेरा कॉलोनी (ओल्ड कैंपियन), भोपाल

सबकी पहुंच में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का लक्ष्य

- नवीन तकनीक आधारित एजुकेशन पोर्टल 3.0 का लोकार्पण, इस पोर्टल के माध्यम से प्रवेश प्रक्रिया का सरलीकरण, अब तक 6 लाख 10 हजार विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया
- छात्र-छात्राओं को नि:शुल्क पाठ्य-पुस्तकों का वितरण
- नवीन शिक्षा सत्र में 1 अप्रैल से पूर्व 10वीं एवं 12वीं कक्षाओं को छोड़कर समस्त कक्षाओं के परीक्षा परिणाम घोषित
- कक्षा-1 से 8वीं तक सभी शालाओं में बालसभा का आयोजन
- शालाओं में 'भविष्य से भेंट' कार्यक्रम का संचालन
- विशिष्ट उपलब्धियां हासिल करने वाले खिलाड़ी, साहित्यकार, कलाकार एवं शासकीय अधिकारी बच्चों को सुनायेंगे पढ़ाई के महत्व की एवं प्रेरणादायी कहानियां
- शाला स्तर पर पालकों के साथ सांस्कृतिक एवं खेल-कूद की गतिविधियों का आयोजन
- पालकों को शैक्षणिक स्टाफ द्वारा दी जाएगी स्कूल शिक्षा से जुड़ी सरकारी योजनाओं की जानकारी
- पिछले शैक्षणिक सत्र में जिन विद्यार्थियों की 85% से अधिक उपस्थिति रही है, उनके पालकों का होगा सम्मान

सीधा प्रसारण webcast.gov.in/mp/cmevents | @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh | @Cmmadhypradesh @jansamparkMP | JansamparkMP

मध्यप्रदेश जनसंपर्क द्वारा जारी

D11219/24

संपादकीय

कैसे बचेंगे प्रदूषण के जहर से ?

ग्रीष्म ऋतु ने भारत में दस्तक दे दी है। अप्रैल का महीना गर्मी के अहसास को ज्यादा सख्त बनाता है क्योंकि लोग शरद और वसंत की खुमारी में होते हैं। इसलिये तेज धूप वाला अप्रैल अखरता भी है। यह मौसम प्रदूषण से बचने और साफ पानी हवा की जरूरत भी बताता है। इस मामले में जहां तक भारत की बात है तो यहां वायु, जल एवं ध्वनि प्रदूषण की गंभीर स्थिति लगातार पिछले कई वर्षों से सुर्खियों में है। इस बीच एक संसदीय समिति ने चिंता और बढ़ा दी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पर्यावरण मंत्रालय ने वर्ष 2024-25 के लिए प्रदूषण नियंत्रण कोष के लिए आवंटित कुल 858 करोड़ रुपये का 1 प्रतिशत से भी कम हिस्सा खर्च किया है। जबकि भारत के शहरों में वायु प्रदूषण की स्थिति लगातार गंभीर होती जा रही है ऐसे में समिति की यह रिपोर्ट 'चौंकाती है। प्रदूषण नियंत्रण' योजना के लिए आवंटित रकम का काफी कम इस्तेमाल हो पाया है। पर्यावरण मंत्रालय को आवंटित कुल रकम में इस प्रदूषण नियंत्रण कोष का हिस्सा 27 प्रतिशत से थोड़ा अधिक है। हलांकि व्यय में कमी का आधिकारिक कारण इस योजना को जारी रखने की मंजूरी मिलने में देरी को बताया जा रहा है। ऐसे में यह स्थिति प्रदूषण को लेकर लापरवाह रवैया एवं ठोस योजना के अभाव की तरफ इशारा कर रही है। भारत में वायु, जल एवं ध्वनि प्रदूषण पर नजर रखने के लिए 2018 में 'प्रदूषण नियंत्रण' योजना शुरू की गई थी और इसके लिए पूरी रकम सरकार ही उपलब्ध करा रही है। सरकार का राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम इसका महत्त्वपूर्ण हिस्सा है। एनसीएपी ने 2026 तक देश के 131 शहरों में हवा में पार्टिकुलेट मैटर (हानिकारक सूक्ष्म कण) या पीएम को 40 प्रतिशत कम करने का लक्ष्य रखा है। अधिकारियों का कहना है कि कई कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार है और आवश्यक अनुमति मिलते ही वे शुरू हो जाएंगे। फिलहाल तो संसदीय समिति या संसद को यह नहीं बताया गया है कि ऐसी योजना के लिए अनुमति समय रहते क्यों नहीं मिलती है, विशेषकर जब देश के शहरों में प्रदूषण गंभीर स्तरों तक पहुंच चुका है।उल्लेखनीय है कि 2024 के लिए जारी विश्व वायु गुणवत्ता रिपोर्ट में भारत के प्रदर्शन में सुधार पर खुशी का इजहार किया गया है। इस रिपोर्ट में भारत तीसरे से पांचवें स्थान पर पहुंच गया है और पीएम 2.5 का स्तर 54.5 से कम होकर 50.6 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर रह गया है। यद्यपि यह डब्ल्यूटीओ के मानक 5-15 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर से काफी अधिक है। इस रिपोर्ट में भारत की स्थिति सुधरने के बावजूद दुनिया के 20 सर्वाधिक प्रदूषित शहरों में 13 भारत के ही हैं जिनमें राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली दूसरे स्थान पर है। भारत की रैंकिंग में 'सुधार' प्रदूषण रैंकिंग में उसके चाड, बांग्लादेश, पाकिस्तान और डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कॉन्गो की तुलना में बेहतर प्रदर्शन के कारण हुआ है। वहीं, भारत में जल प्रदूषण संकट भी विकराल रूप लेता जा रहा है। नीति आयोग के अनुसार वैश्विक जल गुणवत्ता सूचकांक में 122 देशों की सूची में भारत 120वें स्थान पर है। भारत में 70 प्रतिशत जलस्रोत प्रदूषित हो चुके हैं। खराब आबो-हवा और जल के कारण देश में उत्पन्न सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट को देखते हुए प्रदूषण नियंत्रण कार्यक्रमों को निरंतर जारी रखना चाहिए और इसमें किसी प्रक्रियात्मक देरी जैसे अनुमति मिलने में विलंब की रत्ती भर भी गुंजाइश नहीं है।

परिवर्तन ही तो जगत् की माया है।

- अज्ञात

घरेलू गतिविधियों से मिलेगा वृद्धि को दम

आज का इतिहास

- 1582: फ्रांस में मूर्ख दिवस मनाने की शुरुआत।
- 1793 : जापान में उनसेन ज्वालामुखी फटा। करीब 53,000 लोगों की मौत।
- 1839 : कोलकाता मेडिकल कॉलेज और अस्पताल शुरू हुआ।
- 1891 : फ्रांस की राजधानी पेरिस और ब्रिटेन की राजधानी लंदन के बीच टेलीफोन संपर्क शुरू।
- 1912 : दिल्ली को भारत की राजधानी और प्रांत घोषित किया गया।
- 1924 : एडोल्फ हिटलर को बीयर हॉल क्रांति में भाग लेने के लिए पांच साल कैद की सजा सुनाई गई। वह केवल 9 महीने तक जेल में रहे।
- 1933 : पाकिस्तान के कराची में भारतीय वायुसेना की स्थापना।
- 1935 : रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने काम शुरू किया। इसके लिए अंग्रेजों ने रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया एक्ट 1934 कानून बनाया था।
- 1936: भारत के उड़ीसा राज्य की स्थापना हुई। उड़ीसा को पहले कलिंग या उत्कल के नाम से जाना जाता था। अब उसका नाम ओडिशा है।
- 1973: भारत के कार्बेट नेशनल पार्क में चीता संरक्षण के लिए टाइगर बचाओ अभियान चलाया गया।
- 1979: ईरान मुस्लिम गणराज्य घोषित।
- 1996: बैंक ऑफ टोक्यो और मित्सुबिशी बैंक के विलय से बना विश्व का सबसे बड़ा बैंक न्यू बैंक ऑफ टोक्यो-मित्सुबिशी।
- 1997: मार्टिना हिंगिस टेनिस इतिहास में सबसे कम उम्र की नंबर एक महिला खिलाड़ी बनीं।
- 1999: मध्य पूर्व के विशेषज्ञ, और आलोचक प्रो. एडवर्ड डब्ल्यू. सेड को जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय ने न्यूयार्क में आयोजित एक समारोह में डी-लिट् की मानद उपाधि से सम्मानित किया।
- 2001: यूगोस्लाविया के पूर्व राष्ट्रपति मिलोसेविच का आत्मसमर्पण।

निशाना है हमने ये ठाना !

-कृष्णेन्द्र राय

हर बात पर राजनीति ।
होकर रहने वाली ।।
चलता तेज़ दिमाग है ।
नहीं है रखना खाली ।।
काम पड़ा है ज्यादा ।
ना करना आराम ।
घटनाएं कुछ हो रहीं ।
ज्यादा अब तमाम ।।
हर पल अब कुछ नया ।
लेकर के ही आना ।।
पेश है करना वह कुछ ।
चाहे जो ज़माना ।।
होंगे कामयाब हम ।
है हमने ये ठाना ।।
लेकिन होगा बंद ना ।
रहेगा बजता गाना ।।

■ धर्मकीर्ति जोशी

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने 2024-25 में देश का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 6.5 फीसदी बढ़ने का अनुमान लगाया है। यह 6.4 फीसदी वृद्धि के उसके पिछले अनुमान से अधिक है मगर भारतीय रिजर्व बैंक तथा अन्य के अनुमान से कम है। एनएसओ का अनुमान बताता है कि 2021-22 तथा 2023-24 के बीच औसत वृद्धि दर 8.8 फीसदी रहने के बाद एक बार फिर महामारी से पहले वाले दशक की सामान्य औसत वृद्धि दर लौट रही है। इसकी वजह ऊंची ब्याज दर तथा कम राजकोषीय प्रोत्साहन है। साथ ही जीडीपी की तुलना में निवेश का अनुपात भी ठहर रहा है। भारत कोविड-19 महामारी से उबरा तो वृद्धि अनुमान तेजी से बढ़ा दिए गए मगर इनका आधार कम था क्योंकि 2020-21 में वृद्धि दर घटकर 5.8 फीसदी ही रह गई थी। बुनियादी ढांचा विकास पर सरकार के जोर, तेज डिजिटलीकरण और बैंकों की मजबूत बैलेंस शीट ने भी स्थिति सुधारने में मदद की।

टैरिफ की जंग शुरू होने पर भी हमें देश के भीतर के कारणों से 2025-26 में 6.5 फीसदी जीडीपी वृद्धि का अनुमान है। एसऐंडपी ग्लोबल ने हाल में कहा कि चीन को छोड़कर एशिया प्रशांत की बाकी उभरती अर्थव्यवस्थाएं देश के भीतर मांग के दम पर आगे बढ़ेंगी और वृद्धि के अनुमान मामूली कम हो सकते हैं।कम अंतराल पर आने वाले आंकड़े भी वैश्विक वृद्धि में सुस्ती की बात कह रहे हैं। आर्थिक वृद्धि एवं विकास संगठन (ओईसीडी) ने चालू वित्त वर्ष के लिए वैश्विक वृद्धि का अपना पूर्वानुमान हाल में 3.3 फीसदी से घटाकर 3.1 फीसदी कर दिया। बढ़ते संरक्षणवाद और उसी तरह की औद्योगिक नीतियों के कारण विश्व व्यापार भी सुस्त हो सकता है। एसऐंडपी-जीईपी सप्लाई चेन इंडेक्स भी बता रहा है कि दुनिया भर में क्षमता का पूरा इस्तेमाल नहीं हो रहा। विकसित अर्थव्यवस्थाओं में खास तौर पर मुद्रास्फीति बढ़ने के अनुमान हैं यानी मौद्रिक नीति अधिक सख्त हो सकती हैं। अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने दर कटौती टाल दी है। अनिश्चितता देखकर कई अन्य विकसित देशों के केंद्रीय बैंक भी तात्कालिक आंकड़ों पर ध्यान देंगे।

भारत के देसी कारक तीन मामलों में आश्वस्त करते हैं। पहला, देश के कुल निर्यात में सेवा की बढ़ती हिस्सेदारी विश्व व्यापार में उथल-पुथल से कुछ हद तक बचाती है। 2011-12 में 31 फीसदी हिस्सेदारी 2024-25 में 47 फीसदी हो चुकी है। हमारा विश्लेषण बताता है कि देश का वस्तु व्यापार पूरी दुनिया की तर्ज पर रहा है मगर सेवा व्यापार मजबूती से बढ़ता रहा है। चालू वित्त वर्ष के शुरुआती 11 महीनों में वस्तु निर्यात पिछले साल की तरह 396 अरब ही रहा मगर सेवा निर्यात तेजी से बढ़ा। यकीनन अमेरिका से भारत जितना आयात करता है, उससे ज्यादा वहां निर्यात करता है। मगर ज्यादातर वस्तु व्यापार होता है और अमेरिका से आयात पर तगड़ा शुल्क लगाया जाता है। ऐसे में शुल्कों की चोट एमएसएमई पर पड़ेगी। दूसरा, भारत के बाहरी जोखिम के संकेतक मजबूत हैं क्योंकि चालू खाते का घाटा संभाला जा सकता है, विदेशी कर्ज कम चुकाना है, विदेशी मुद्रा भंडार पर्याप्त है और बड़ी अर्थव्यवस्थाओं से ज्यादा तेज वृद्धि हो रही है। विदेशी बफर ज्यादा होने के कारण भारत वैश्विक अनिश्चितताओं और पूंजी निकलने की समस्या का सामना कर पाया है। अक्टूबर 2024 से फरवरी 2025 के बीच विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने भारतीय बाजार से 22.7 अरब डॉलर निकाल लिए, जबकि इससे पहले के छह महीनों में 22 अरब डॉलर का शुद्ध निवेश किया था। फिर भी रुपया पहले की तरह एकाएक नहीं गिरा। तीसरा, हमें खाद्य मुद्रास्फीति घटने की उम्मीद है। कर्ज की लागत कम होने और मध्य वर्ग को कर लाभ मिलने से खपत तथा कुल वृद्धि बढ़ने की उम्मीद है। तीन साल बाद खाद्य मुद्रास्फीति घटने से खर्च की गुंजाइश बनेगी। कम आय वाले शहरी और ग्रामीण परिवार खाद्यान्न पर अधिक खर्च कर सकेंगे। मॉनसून सामान्य रहा और मौसम में बड़ा उतार-चढ़ाव नहीं हुआ तो कृषि अच्छी रहेगी और वित्त वर्ष 26 में खाद्य महंगाई घट सकती है।

रिजर्व बैंक ने फरवरी में रीपो दर घटाई है। 2025-26 में 75 आधार अंकों की कटौती और हो सकती है। इससे वृद्धि को थोड़ी मदद मिलेगी क्योंकि मौद्रिक उपायों का असर धीमे होता है। नकदी की किल्लत इसे और धीमा बना देती है। अगले वित्त वर्ष में कच्चे तेल के दाम अनुमान के मुताबिक 70 डॉलर प्रति बैरल रहे तो चालू खाते का घाटा और महंगाई काबू में रहेंगे। इससे कच्चा माल सस्ता होगा और जीडीपी वृद्धि तेज होगी। खाद्य मुद्रास्फीति और कच्चे तेल के भाव घटने से मुख्य मुद्रास्फीति रिजर्व बैंक के 4 फीसदी के लक्ष्य के करीब आएगी। किंतु कम आधार प्रभाव और चढ़ते सोने के कारण समग्र मुद्रास्फीति 3.5 फीसदी से बढ़कर 4.5 फीसदी हो सकती है। जीडीपी में निवेश की हिस्सेदारी 2025-26 में बनी रहेगी। सरकार और परिवारों के निवेश ने ही महामारी के बाद अर्थव्यवस्था को सहारा दिया है। बेहतर वित्तीय गुंजाइश के बाद भी निजी कंपनियां निवेश कम कर रही हैं। फरवरी में एनएसओ के क्षेत्रवार आंकड़े बताते हैं कि वित्त वर्ष 24 और वित्त वर्ष 25 में हालात ज्यादा नहीं बदले। वित्त वर्ष 26 में भी कंपनियां निवेश बढ़ाती नहीं लगतीं। वैश्विक अनिश्चितताएं भी निवेश को ठंडे बस्ते में धकेल रही हैं।

अमेरिका ने चीन पर शुल्क बढ़ाया और उसका आयात रोका तो ज्यादा क्षमता और मंदी से परेशान चीन दूसरे देशों में अपना माल पाटेगा। इसका शिकार भारत भी बनेगा, जो पहले ही चीन से भारी आयात के कारण परेशान है। इससे देसी उत्पादक भी नहीं समझ पाते कि कितनी मांग आएगी।केंद्र सरकार ने पूंजीगत व्यय में 10.1 फीसदी वृद्धि का अनुमान लगाया है, वित्त वर्ष 26 में वृद्धि को बहुत सहारा देगा। लागत और समय बचाने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों को तैयार परियोजनाओं पर जोर देना होगा। जीडीपी में 6.5 फीसदी वृद्धि के साथ भारत बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में अग्रणी रहेगा। संरक्षणवादी रवैया बढ़ा तो देश के भीतर के कारक आने वाले समय में अर्थव्यवस्था के लिए अहम हो जाएंगे। भारत को कारोबारी गठजोड़ तैयार करते हुए आपूर्ति श्रृंखला में हो रहे अहम बदलावों से निपटना होगा और देश के भीतर गतिरोध दूर करने के लिए आर्थिक सुधार भी अपनाने होंगे। इसके लिए कारोबारी सुगमता बढ़ाने की जरूरत है ताकि अनुपालन का बोझ कम हो सके तथा नियम-कायदे सरल बन सकें। इससे हम बेहतर वृद्धि हासिल करते हुए 2047 तक विकसित भारत की दिशा में कोशिश कर पाएंगे।

एनएसओ का अनुमान बताता है कि 2021-22 तथा 2023-24 के बीच औसत वृद्धि दर 8.8 फीसदी रहने के बाद एक बार फिर महामारी से पहले वाले दशक की सामान्य औसत वृद्धि दर लौट रही है।

(साभार : लेखक क्रिसिल में मुख्य अर्थशास्त्री हैं)

टीआरपी की भेड़चाल से हुआ अन्याय

■ क्षमा शर्मा

अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत के केस में सीबीआई ने क्लोजर रिपोर्ट दाखिल की है। यानी इस मामले को अब बंद कर दिया गया है। आपको याद होगा कि सुशांत ने आत्महत्या की थी और उनके घर वालों ने फिल्मों में पहचान बनाने आई और सुशांत की मित्र रिया चक्रवर्ती को भी अभियुक्त बनाया था। उसे सत्ताईस दिन जेल में भी रहना पड़ा था। जबकि सीबीआई को रिया के खिलाफ कोई सुबूत नहीं मिले। यह हमारी व्यवस्था की सफलता है कि उन्होंने एक निरपराध लड़की को कम से कम अपराध मुक्त किया। वरना तो पता नहीं इस लड़की और उसके परिवार का क्या होता। पच्चीस साल की एक लड़की ने इस मामले का सामना कैसे किया होगा, यह सोचने की बात है।इस लड़की पर आरोप क्या लगे थे, इसे अपराधी बना दिया गया था। चार-चार एजेंसियां इसके पीछे लगी थीं। रिया के घर के बाहर मीडिया का भारी जमावड़ा कई दिनों तक लगा रहा। हर कोई ऊंची से ऊंची आवाज में उसे अपराधी साबित करने पर तुला था। आरोप लगने भर से उसे अपराधी मान लिया गया था। चैनल्स के लोग बाहर खड़े किस-किस तरह के अपशब्द बोल रहे थे। अरे रिया बाहर निकल। कहां छिपी है। सुशांत को खा गई। उसके पैसे के लिए उसे मार डाला। बहुत-सी तो ऐसी बातें जो लिखी भी नहीं जा सकतीं। लेकिन सरेआम बोलने वालों को कोई शर्म नहीं आ रही थी। यह देखकर भी हैरत होती है कि कोई भी स्त्रीवादी उस समय रिया के समर्थन में नहीं बोला था। न ही कोई उसकी मदद के लिए सामने आया था। महिला आयोग भी चुप्पी साधे रहे थे। क्या रिया लड़की नहीं थी। उसके कोई अधिकार भी नहीं थे। रिया के पिता जो सेना में डाक्टर रहे हैं, उन्होंने उस वक्त कहा भी था कि एक मध्यवर्गीय परिवार को नष्ट कर दिया गया है। उसकी मां बीमार पड़ गई थीं। उस बहुमंजिली सोसायटी में रहने वाले अड़ोसी-पड़ोसी की नजरों में उसका सम्मान नष्ट कर दिया गया था। रही-सही कसर इन आरोपों ने भी पूरी कर दी थी कि सुशांत को हाल ही में पंद्रह करोड़ रुपये मिले थे। शायद रिया ने वे भी हड़प लिए। उस पर ड्रग सप्लाई करने के भी आरोप लगाए गए थे। चारों तरफ से इतने हमले हो रहे थे। जो फिल्में रिया ने साइन की थीं, उनसे उसे निकाल दिया गया था। वह जैसे इस निर्मम दुनिया का सामना करने के लिए अकेली थी। अकेली ही उसे उन सभी आरोपों का सामना करना पड़ रहा था जिनके लिए वह जिम्मेदार भी नहीं थी। बाद में यह भी पता चला था कि सुशांत ने जो पंद्रह करोड़ रुपये मिलने की बात अपने घर वालों को बताई थी, वे रुपये कभी उसके अकाउंट में आए ही नहीं थे। कई चैनलों ने हफ्तों तक इस मामले को तूल दिया था और बहुत हल्ला मचाया था। सुशांत की पूर्व महिला मित्र भी मीडिया में आकर रात-दिन बयान दे रही थी कि वह आत्महत्या तो कर ही नहीं सकता। वह इतना कमजोर लड़का नहीं था। हालांकि, यह बात भी सामने आई थी कि सुशांत को गहरा अवसाद था। इसकी वजह यह भी बताई गई थी कि चूंकि वह फिल्मी बैकग्राउंड से नहीं है, इसलिए अच्छा काम करने के बावजूद, रोल्स में उसे प्राथमिकता नहीं मिलती है। सुशांत की मृत्यु ने बिहार के लोगों को भी उद्वेलित किया था। वे इसे अपने सम्मान का मामला मानने लगे थे। जो भी हो, इस पूरे मामले में पांच साल पहले मीडिया के एक वर्ग ने रिया को खलनायिका साबित कर दिया था। इस तरह के मीडिया ट्रायल का सामना इससे पहले शायद किसी युवा अभिनेत्री ने नहीं किया था। एक लड़की का अच्छा भला करिअर, उसकी प्रतिष्ठा, सब बर्बाद कर दी गई थी। सिर्फ रिया ही क्यों, उसके पूरे परिवार ने इस दौरान क्या-क्या नहीं झेला होगा। वैसे भी भारतीय समाज में तो लड़की पर एक उंगली उठी नहीं कि वह खलनायिका बनी नहीं। फिर उसे कहीं से कोई माफी नहीं मिलती। उंगली उठाने वाला चाहे संसार का सबसे बड़ा अपराधी ही क्यों न हो, मगर क्योंकि वह उंगली लड़की की तरफ उठी है, तो उसे अपराधी मान ही लिया जाएगा। वैसे भी आरोपी को अपराधी बनाना और लगातार मीडिया बैशिंग तथाकथित स्वतंत्र चैनल्स का बड़ा भारी शौक भी है। बाद में जिसको लगातार अपराधी बनाया गया, उसे अदालत ने बरी भी कर दिया तो चैनल्स कभी शर्मिंदा नहीं होते। न ही अपने किए पर पश्चाताप करते हैं या माफी मांगते हैं।जिस फिल्म इंडस्ट्री में कोई किसी का सगा नहीं, वहां भला रिया को बचाने आता भी कौन। उसने पूरी लड़ाई अपने परिवार के साथ अकेले ही लड़ी। और इसके लिए उसकी तारीफ की जानी चाहिए। अक्सर नेगेटिव पब्लिसिटी के बारे में कहा जाता है कि वह रातोरात आपको घर-घर में लोकप्रिय कर देती है। लोग बात तो भूल जाते हैं मगर चेहरे को याद रखते हैं। एक बार मशहूर अभिनेत्री और फिल्मकार महेश भट्ट की बेटी पूजा भट्ट ने कहा था कि कोशिश करनी चाहिए कि ज्यादा से ज्यादा नेगेटिव पब्लिसिटी हो। इससे किसी हीरो-हीरोइन को स्थापित होने में मदद मिलती है। पूजा भट्ट शायद बिना किसी मुसीबत के नेगेटिव पब्लिसिटी को झेल सकती थीं, क्योंकि वह महेश भट्ट की बेटी थीं। फिल्मी बैकग्राउंड से होने का लाभ भी था। लेकिन रिया जैसी साधारण लड़कियों के लिए तो हत्या जैसे अपराध के मामले में आरोपी बना दिया जाना एक बहुत बड़ी मुसीबत की तरह था। रही-सही कसर मीडिया ने पूरी कर दी थी।उस समय भी इस लेखिका ने अपने इसी अखबार में लिखा था कि यदि रिया पर कोई आरोप साबित नहीं हुआ, तो क्या वे लोग, जो रात-दिन उसे अपराधी साबित कर रहे हैं, माफी मांगेंगे। हुआ भी यही। सीबीआई ने केस बंद कर दिया। रिया के खिलाफ कोई आरोप साबित तक नहीं हुआ। तब भी उसने बार-बार कहा था कि न वह घटनास्थल पर मौजूद थी, न ही कई दिनों से सुशांत से उसकी बातचीत हुई थी। लेकिन उस समय तो सारे ज्ञानी यही कह रहे थे कि पकड़े जाने पर हर अपराधी अपने को निर्दोष ही बताता है।

कहने का अर्थ यह कि आज रिया आरोपमुक्त हो चुकी है। हालांकि हाल ही में सुशांत राजपूत की मैनेजर दिशा सालियान की आत्महत्या के मामले में उनके पिता ने मुम्बई हाईकोर्ट में अपील दायर की है। जिसमें मांग की गई है कि उनकी बेटी के मामले पर फिर से विचार किया जाए। इसमें उन्होंने रिया चक्रवर्ती का नाम भी लिया है। लेकिन लगता है कि इस मामले में भी रिया निर्दोष ही साबित होगी। बहुत झेल लिया इस लड़की ने। अब तो उसे मुक्ति दो। किसी लड़की की किसी से दोस्ती हो और वह लड़का आत्महत्या कर ले, तो जब तक प्रमाण लड़की के खिलाफ न हों मीडिया को इस तरह शिकारी की भूमिका निभानी नहीं चाहिए कि लड़की का जीवन ही बर्बाद हो जाए। न्याय की बात टीआरपी को एक किनारे रखकर की जाए तो बेहतर है।

किसी लड़की की किसी से दोस्ती हो और वह लड़का आत्महत्या कर ले, तो जब तक प्रमाण लड़की के खिलाफ न हों मीडिया को इस तरह शिकारी की भूमिका निभानी नहीं चाहिए कि लड़की का जीवन ही बर्बाद हो जाए। न्याय की बात टीआरपी को एक किनारे रखकर की जाए तो बेहतर है।

(साभार : यह लेखिका के निजी विचार हैं)

देर रात तक श्रोताओं ने लिया भजनों का आनंद, शहर के प्रसिद्ध गायक कलाकारों दी प्रस्तुति

गंजबासौदा, दोपहर मेट्रो

शहर में पहली बार बासौदा श्री हिंदू उत्सव समिति के तत्वाधान में भव्य भजन संध्या का आयोजन शहनाई गार्डन में हुआ। भजन संध्या का शुभारंभ दीप प्रज्वलन से हुआ। श्री राम दरबार ,मां शीतला की पूजा अर्चना कर गणेश वंदना और देवी जी की आरती की गई। नव वर्ष का आतिशबाजी से स्वागत किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक हरिसिंह रघुवंशी एवं अतिथि नपाध्यक्ष शशि यादव,जनपद अध्यक्ष नीतू रघुवंशी,जिला पंचायत सदस्य गायत्री रघुवंशी थे।

एवं बासौदा श्री हिंदू उत्सव समिति के संरक्षक केशव शास्त्री, धर्मपाल शर्मा, बालकृष्ण अरोड़ा, वीके शर्मा, जयेश शाह, अध्यक्ष राजेश तिवारी ,सुमित मिश्रा

संयोजक, आकाश महेश्वरी सचिव एवं समिति के सभी

पदाधिकारी गण द्वारा पूजा अर्चना किया गया। गणेश वंदना लीलाधर ने एवं देवी जी की आरती लखन शर्मा एवं उनके कलाकारों ने प्रस्तुत की।

तत्पश्चात प्रसिद्ध कलाकारों के द्वारा भजन गायन हुआ। जिसमें शहर के 21 श्रेष्ठ कलाकारों में शरद शर्मा , राजेश नायक गड़ायला , संदीप तिवारी, लखन महाराज, डॉ अमृता करुणेश्वरी, ब्रजराज अग्रवाल, मयंक भार्गव , शुभांशु झा, महेन्द्र राजपूत , महेन्द्र भार्गव , लीलाधर शर्मा, राहुल शुक्ला , चंद्रकांता, सूर्यप्रकाश श्रीवास्तव,नरेश राज वैरागी , संजय शर्मा, नवीन व्यास , सीताराम विश्वकर्मा, प्राशी विश्वकर्मा, संजय मिश्रा जी द्वारा भजन गायन हुआ। जिसको समस्त जन समूह ने बहुत सराहना की और भजनों का आनंद लिया।

इस भजन संध्या के सफलता की लिए सभी समिति के कार्यकर्ताओं को बधाई दी। कार्यक्रम का संचालन अभय शर्मा सांस्कृतिक सचिव ने किया सभी अतिथियों का सम्मान किया एवं सभी कार्यकर्ताओं गायक कलाकारों ने कार्यक्रम के सफल और सार्थक होने की अनुभूति के बाद समिति के अध्यक्ष राजेश तिवारी का सम्मान किया।

41 वर्षों से रेल यात्रियों को ठंडा पानी पिला रही समिति

गंजबासौदा। रेलवे स्टेशन पर निरंतर जल सेवा का कार्य एवं भोजनालय पर भोजन सेवा का कार्य निरंतर चल रहा है। इसी तारतम्य में नव संवत्सर गुड़ी पड़वा नवसंवत्सर प्रतिपदा के पावन पर्व पर 41 वे वर्ष की जल सेवा एवं भोजनालय सेवा का शुभारंभ नागरिक सेवा समिति के अध्यक्ष कांति भाई शाह की अध्यक्षता श्वेतांबर समाज के अध्यक्ष डॉ विमल चंद्र ओसवाल के मुख्य आतिथ्य में एवं सत्यपाल तनवानी, शांतिलाल शाह , पूर्व शिक्षक राधेश्याम साहू के विशेष आथित्य में किया गया। इस वर्ष की रेलवे स्टेशन पर चल रही जल सेवा के आयोजक राधेश्याम साहू, ओम प्रकाश साहू, एवं घनश्याम साहू की ओर से आयोजित किया जा रहा है एवं अगले वर्ष जल सेवा के लिए सहयोगी ओम हार्डवेयर परिवार रहेगा एवं 2027 की जल सेवा के लिए पूर्व विधायक स्वर्गीय फूलचंद वर्मा, स्वर्गीय सुदामा वर्मा परिवार की ओर से जल सेवा का कार्य आयोजित किया जावेगा। रेलवे स्टेशन पर 2024 के जल सेवा के आयोजक शाह मशीनरी परिवार से शांतिलाल शाह का शाल श्री फल भेंटकर सम्मानित किया गया एवं इस वर्ष 2025 की जल सेवा के लिए शिक्षक राधेश्याम साहू का शाल श्रीफल एवं मिष्ठान भेंटकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन नागरिक सेवा समिति के सचिव सुरेश तनवानी ने किया।

तेज आवाज में चला रहे गाड़ियों के पुलिस ने किए साइलेंसर जब्त

गंजबासौदा। लगातार शहर की सड़कों पर तेज आवाज में पटाखे की तरह साइलेंसर से आवाज निकालते हुए सड़कों पर दौड़ रही गाड़ियों से नागरिक ध्वनि प्रदूषण से परेशान थे। सोमवार को शहर निरीक्षक योगेन्द्र सिंह परमार द्वारा नगर बासौदा में तेज आवाज वाले साइलेंसर (मॉडिफाई साइलेंसर) के द्वारा ध्वनि प्रदूषण करने वाली मोटर साईकिल के चालकों को पड़कर जुर्माना किया गया। साथ ही ध्वनि प्रदूषण करने वाला साइलेंसर को वाहन से निकलवा कर जप्त किया गया। एवं सामान्य साइलेंसर लगवाया। कार्यवाही के अंतर्गत वाहन पर चालानी कार्यवाही कर 3000 रुपये समन शुल्क वसूल किया गया। शहर थाना प्रभारी ने बताया कि आगे भी यह कार्यवाही जारी रहेगी।

होली मिलन समारोह हुआ आयोजित

गंजबासौदा। होटल पुखराज में आकाश शर्मा एवम संतोष शर्मा द्वारा होली मिलन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व सांसद प्रताप भानु शर्मा ने कहा कि होली मिलन समारोह में समाज को नई दिशा मिलेगी और सभी लोग मिलकर भाई चारे को कायम रखना चाहते हैं। गोविंद देवलिया ने कहा कि इस अवसर पर सभी लोग मिलकर इस परंपरा को जीवित रखना चाहिए कार्यक्रम में शामिल विकास शर्मा, राजेश माहेश्वरी, केशव प्रसाद शास्त्री, पंकज एलिया, सत्यप्रकाश सेन, सौदान सिंह यादव, ने अपने विचार व्यक्त किए। संचालन सुनील बाबू पिंगले ने किया। कृष्ण मोहन शर्मा, अमित दुबे, ताराचंद अल्लू, राजकुमार सेन, प्रकाश मिश्रा रवि तिवारी ने सभी लोग उपस्थित लोगो रंग गुलाल लगाकर उन्हें फूलों से होली मिलन समारोह आयोजित किया गया इस अवसर पर अतिथियों को शाल श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया गया कार्यक्रम में शामिल सभी लोग का आभार बीडी शर्मा ने किया।

सामाजिक समरसता मंच ने ईद पर आदिल को घर जाकर दी शुभकामनायें..

नर्मदापुरम. अमन और भाईचारे का त्यौहार ईद पर नगर की गंगा जमुनी तहजीब का माहौल दिखाई दिया. मुस्लिम समाज को अन्य सामाजिक वर्ग के लोगों ने भी ईद की शुभकामनाएं दी. नगर की समाज सेवी संस्था सामाजिक समरसता राष्ट्रीय विचार मंच द्वारा संस्था के सक्रिय सदस्य आदिल फ़ाज़ली को उनके घर जाकर ईद की शुभकामनाएं दी. आदिल फाजली ने सभी हितेषी भाईयों को स्वल्पाहार कराकर जुबान के जरिए सभी के दिलों में आपसी परस्पर प्रेम की मिठास घोली. इस अवसर पर संस्था के संरक्षक के एस राजपूत अध्यक्ष अरुण दीक्षित सहित वरिष्ठ सदस्य केएन त्रिपाठी अशोक दिबोलिया ओमप्रकाश मालवीय लखन लाल रघुवंशी डा.मयंक तोमर सहित संस्था के अन्य सदस्य विशेष रूप से उपस्थित रहे.

कमिश्नर ने सनसनीखेज एवं जघन्य अपराधों की संभाग स्तरीय समिति की समीक्षा बैठक में कहा

जघन्य अपराधों में दोषियों को कोर्ट के माध्यम से दंडित कराना सुनिश्चित करें

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

जिलों में सनसनी खेज एवं जघन्य अपराध करने वाले दोषियों को न्यायालय के माध्यम से दंडित किया जाए एवं सनसनीखेज एवं जघन्य अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाया जाए। यदि ऐसी अपराधिक मामले घटित होते हैं तो प्राथमिकता से प्रकरण दर्ज कर विवेचना कर प्रकरण न्यायालय में प्रस्तुत किये जाए। सभी साक्ष्य एवं गवाह तैयार कर ऐसे अपराधियों को न्यायालय के माध्यम से दंडित किया जाए। उक्त निर्देश नर्मदा पुरम संभाग कमिश्नर कृष्ण गोपाल तिवारी ने गत दिवस सनसनीखेज एवं जघन्य अपराधों की संभाग स्तरीय समिति की बैठक में दिए। बैठक में पुलिस महानिरीक्षक मिथिलेश कुमार शुक्ला, डीआईजी प्रशांत खरे, पुलिस अधीक्षक डॉक्टर गुरु करण सिंह, हरदा कलेक्टर आदित्य सिंह, जिला अभियोजन अधिकारी राजकुमार नेमा तथा अन्य अधिकारी गण उपस्थित थे।

पुलिस अधीक्षक डॉक्टर गुरकरण सिंह ने सनसनीखेज एवं जघन्य अपराधों की जानकारी देते हुए बताया कि वर्ष 2008 से

15 मार्च 2025 तक की अवधि में विभिन्न अपराध चिन्हित किए गए हैं एवं इन अपराधों में अपराधियों को दंडित करने का पूरा प्रयास किया गया है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि नर्मदापुरम जिले में इस अवधि में 188, बैतूल में 182, हरदा में 163 प्रकरण जघन्य अपराधों के विभिन्न थानों में दर्ज किए गए थे। वर्तमान में सभी प्रकरण न्यायालय में प्रस्तुत कर दिए गए हैं। विवेचना में कोई भी प्रकरण लंबित नहीं है। चिन्हित अपराधों में पृथक खात्मा के प्रकरण के अंतर्गत नर्मदा पुरम में ऐसे पांच, बैतूल में दो और हरदा में तीन प्रकरण है। न्यायालय में प्रस्तुत प्रकरणों में नर्मदा पुरम में 183 प्रकरण, बैतूल में 180 और हरदा में 160 प्रकरण है जो न्यायालय में प्रस्तुत किए गए हैं। जिनमें नर्मदापुरम में 145 प्रकरणों का निराकरण सफलतापूर्वक किया गया है वहीं बैतूल में 141 एवं हरदा में 126 प्रकरणों का निराकरण कर दोषियों को दंडित किया गया है। इस अवधि में न्यायालय में लंबित प्रकरणों को देखें तो नर्मदापुरम में 38, बैतूल में 39 एवं हरदा में 34 प्रकरण है। वही विभिन्न प्रकरण में दोषियों को सजा भी हुई है। जिनमें नर्मदापुरम में ऐसे 94 प्रकरण, बैतूल में 107एवं हरदा में 63 प्रकरण है जिनमें न्यायालय द्वारा अपराधियों को दोषी पाए जाने पर दंडित किया गया है। वही न्यायालय से समाप्त हुए प्रकरणों में नर्मदा पुरम के दो , बैतूल के तीन एवं हरदा के एक प्रकरण है। नर्मदापुरम में 49 व्यक्ति दोष मुक्त हुए हैं। बैतूल में 31 एवं हरदा में 62 व्यक्ति दोष मुक्त हुए हैं। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि देखा जाए तो नर्मदापुरम जिले में दोषियों को सजा देने के मामले में उसका प्रतिशत 64 .83 रहा है वही बैतूल में 75.89 एवं हरदा में 50त्न रहा है।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि जिला स्तरीय समिति की बैठक के नियमित रूप से ली जा रही है वहीं जिला स्तरीय मॉनिटरिंग सेल की बैठक भी नियमित रूप से सभी जिलों में आयोजित की जा रही है उन्होंने बताया कि न्यायालय में विचार अधीन चिन्हित प्रकरण 15 मार्च 2025 की स्थिति में नर्मदापुरम में 38 बैतूल में 39 एवं हरदा में 34 प्रकरण है इस तरह कुल 111 प्रकरण है। वही ऐसे प्रकरण जिम दोष मुक्त होने पर विरोधी पार्टी द्वारा अपील की गई है ऐसे प्रकरण में नर्मदापुरम में दो बैतूल में नौ और हरदा में 23 इस तरह कुल 34 प्रकरण है।

ईद की नमाज अदा कर दुनिया में अमन चैन एकता भाई चारे की दुआ मांगी

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

आयुध नगर मदीना मस्जिद ऑर्डिनेंस फैक्ट्री में ईद उल फितर की नमाज हाफिज फरमान साहब ने अदा कराते हुए दुनिया में अमन चैन एकता एवं भाईचारे की दुआ मांगी. इसके बाद सभी ने एक दूसरे को गले मिलकर बधाई दी. मस्जिद कमेटी के सदर इदरीश खान सचिव बशारत खान ने बताया ईद के मौके पर नौजवान कमेटी की जानिब से शीमैया शीर खुरमे का स्वल्पाहार कराया गया. इस अवसर पर थाना प्रभारी पवार साहब शहित पुलिस स्टाफ भी विशेष रूप से उपस्थित रहे.

नगर में ईद उल फ़ित्र का त्यौहार बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया. सुबह 8-30 बजे ईदगाह पर शहर क़ाज़ी अशफ़ाक़ साहब ने नमाज़ अदा करायी जहाँ हज़ारो की तादाद में मुस्लिम धर्मावलंबी ने नमाज़ अदा की. तत्पश्चात शहर क़ाज़ी द्वारा ईदगाह पर विशेष दुआ की गयी जिसमे देश प्रदेश एवम् नगर की खुशहाली भाईचारा और तरक्की के लिए हज़ारो हाथ उठे. ईद की नमाज़ शहर की अनेको मस्जिदों भी अदा की गयी. अंतिम नमाज़ बड़ी बजरिया सेठ साहब वाली मस्जिद में 9.30 बजे अदा की गयी। इस मौके पर सिटी मजिस्ट्रेट विजेंद्र रावत, नगर तहसीलदार देवशंकर धुर्वे, थाना प्रभारी शहर कोतवाली सौरभ पाण्डेय , फैजान उल हक़ , ज़ाकिर खान , गुलाम मुस्तफा , कुलदीप राठौर, फैज़ान खान, अनोखे लाल राजोरिया , अजहर खान, अफजल सिद्दीकी, शेख हबीब आदि उपस्तिथ रहे ।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत चिचली की बगलोन नहर की साफ सफाई एवं मरम्मत की

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत 30 मार्च से जल संरक्षण के लिए पुरानी नहर कुए, बावड़ी, नदी, तालाब, सरोवर, नाली आदि की साफ सफाई एवं मरम्मत का कार्य प्रारंभ किया गया है। ताकि इनकी साफ सफाई एवं मरम्मत तथा स्वच्छ कर इन्हें पेयजल एवं जल प्रवाह के योग्य बनाया जा सके। इसी कड़ी में माखन नगर के ग्राम चीचली में स्थित बगलोन माइनर की 62 चैन पर नहर मरम्मत एवं साफ सफाई का कार्य किया गया। यह नहर शुक?करवाडा उप नहर अनुभाग माखन नगर में स्थित है। नहर में लंबे समय से सफाई की आवश्यकता थी। जल संसाधन विभाग के अमले ने नहर की मरम्मत की एवं नहर में से कचरा एवं गंदगी, प्लास्टिक पन्नी नको निकाल कर साफ सफाई का कार्य किया किया गया। बताया गया कि नहर को पुनः श्रमदान करके और उसकी ठीक से मरम्मत करके पुनः जल प्रवाह के योग्य बना दिया जाएगा, जिससे आने वाले समय में किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध हो सके। श्रमदान के दौरान आसपास के लोगों को समझाएं दी गई कि वह नहर में कचरा एवं गंदगी ना डालें सभी व्यक्ति नहर को स्वच्छ एवं साफ रखें ताकि नहर में जल का प्रवाह निर्बाध गति से होता रहे। नहर की सुरक्षा महत्वपूर्ण है अतः नहर की सुरक्षा भी की जाए।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत विभिन्न स्थानों पर नहरों और घाटों पर किया गया सफाई का कार्य..

नर्मदापुरम। कार्यपालन यंत्री तवा परियोजना संभाग इटारसी अंकित सराफ ने बताया की नर्मदापुरम जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत विभिन्न स्थानों पर नहरों और घाटों की सफाई का कार्य किया गया। इटारसी संभाग में तवा बांयी तट मुख्य नहर के चैन क्रमांक 858 पर घाटों की सफाई की गई, सिवनी मालवा संभाग में मकड़ाई उपनहर की अंबलादा डोंगर माइनर से गाद निकाली गई। सोहागपुर संभाग में मानागांव माइनर के 40 चैन पर ग्राम काजलखेड़ी में नहर की साफ-सफाई की गई।

मेट्रो एंकर पंचतत्व संरक्षण समिति बांटेगी 2000 मिट्टी से बने सकोरे

पंचतत्व ने चेतना अभियान के अंतर्गत पक्षियों के जलपात्र वितरित किए

गंज बासौदा, दोपहर मेट्रो

पंचतत्व संरक्षण समिति हर वर्ष नवसंवत्सर गुड़ी पड़वा के दिन से पक्षी चेतना अभियान के अंतर्गत प्यासे पक्षियों के लिए पानी , मुट्ठी भर दाने तथा विचरते पशुओं के लिए जल पात्र (मिट्टी से बने सकोरे) ओर पानी की टंकी रखकर ओर वितरित कर नव वर्ष का स्वागत करती है। इस वर्ष भी पंचतत्व ने यह कार्यक्रम समिति के सदस्यों के साथ नगर के पत्रकारों को अतिथि बनाकर स्थानीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में किया। जिसमें अतिथियों द्वारा पर्यावरण की परम्परा अनुसार पृथ्वी पूजन कर सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया। तत्पश्चात समिति की महिला सदस्य रीता भावसार, रानू सिंह, नीलू चौबे ओर दिव्या बैसाखिया द्वारा अतिथियों का तिलक लगाकर मिट्टी से बने सकोरे भेंट कर स्वागत ओर सम्मान किया, समिति के अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह दांगी ने समिति की प्रस्तावना रखकर बताया कि पंचतत्व वर्षभर में तीन मुख्य कार्यक्रम करती है जिसमें यह नवसंवत्सर गुड़ी पड़वा पर पक्षी चेतना अभियान एक महत्वपूर्ण

कार्यक्रम है, इस दिन से समिति प्यासे पक्षियों के दाना पानी पर प्यासे पशुओं को पानी की व्यवस्था करना शुरू कर पूरी गर्मी यह पुण्य कार्य करती रहती है। इसमें नागरिकों का ओर समिति के सदस्यों का भी सहयोग हमेशा बना रहता है। वहीं वरिष्ठ पत्रकार गोविंद नायक ने पंचतत्व के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि हमारे शहर में उपलब्ध बेतवा नदी का पानी भी कम होने लगा है। आज नहीं तो कल हम सब भी जल न होने से परेशान होंगे इसलिए है सभी इसकी चिंता करना चाहिए वरिष्ठ पत्रकार डॉ. डीपी शर्मा ने पंचतत्व के पर्यावरण हित के कार्यों में सहयोग देने को जोर दिया। नगरपालिका में सांसद प्रतिनिधि देवेंद्र यादव ने पंचतत्व समिति ने पाराशरी नदी के कायाकल्प अभियान की महत्वपूर्ण भूमिका को सराहा और कहा आज पंचतत्व समिति ने पक्षियों के लिए नया प्रस्ताव बर्ड हाउस बनाने का रखा वह भी सराहनीय है जिसे नगरपालिका द्वारा शीघ्र दोनों स्थानीय पार्क लक्ष्मी बाई उद्यान और मदनलाल मिश्र उद्यान में बनाए जाएंगे। पंचतत्व समिति के प्रमोद सिंह राजपूत ने कहा कि पंचतत्व अकेले पर्यावरण नहीं बचा सकती पर हम सब लोग पंचतत्व का सहयोग कर पर्यावरण बचा सकते हैं। समिति पूरी गर्मी सकोरे ओर होदी रखती है।

समिति द्वारा पिछले लगाए पौधों में नंदीपुरा योगेंद्र कटियार फार्म हाउस में 10 हजार पेड़ों का जंगल, शासकीय अस्पताल के पीछे 43 विशालकाय पेड़, एसजीएस कॉलेज में लगातार चार वर्षों में 50 बड़े पौधे अपना आकार लेते हुए दिखाई देते हैं। जिसमें जन सहयोग भी रहता ओर जिस किसी को यह जल पात्र चाहिए हो वह पंचतत्व संरक्षण समिति से प्राप्त कर सकते हैं, समिति का 2000 सकोरे बांटने का लक्ष्य है, समिति के सदस्यों ने सभी को सकोरे भेंट किए और राहुल शर्मा लमन्या ने समिति से प्यासे पशुओं की टंकी प्राप्त कर सहयोग किया संचालन प्रमोद सिंह राजपूत ने किया।

कथा श्रवण पापों से मुक्ति दिलाता है, जीवन में धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष कराता है : रामनयन

तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर तेंदूखेड़ा के गौरैया घाट स्थित बड़ी खेर माई मंदिर में नौ दिवसीय श्रीमद् देवी भागवत कथा का आज तृतीय दिवस भक्ति और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस धार्मिक अनुष्ठान में आज अन्नाधिवास की प्रक्रिया पूरी की गई, जबकि कल पंचमी तिथि को बहुप्रतीक्षित कलशारोहण का कार्यक्रम संपन्न होगा। स्थानीय श्रद्धालुओं के बीच इस आयोजन को लेकर विशेष उत्साह देखा जा रहा है।

श्रीमद् देवी भागवत कथा का शुभारंभ सुबह मंगलाचरण और पूजन के साथ हुआ। आचार्य पंडित गोपाल शास्त्री ने वैदिक मंत्रोच्चारण (पद्धति) से इसके बाद अन्नाधिवास का विधान संपन्न किया गया, जिसमें अनाज को पवित्र जल से अभिषिक्त कर मंडप में स्थापित किया गया। यह प्रक्रिया अनुष्ठान की पवित्रता और समृद्धि का प्रतीक मानी जाती है। इस दौरान मंदिर परिसर में वैदिक

मंत्रोच्चार और भक्ति भजनों से वातावरण गुंजायमान रहा। आचार्य पंडित गोपाल शास्त्री ने अन्नाधिवास के महत्व को विस्तार से समझाते हुए कहा, अन्न जीवन का आधार है और अन्नाधिवास के माध्यम से हम मां भगवती से समृद्धि और सुख-शांति की कामना करते हैं।

तृतीय दिवस की कथा में पंडित राष्ट्रीय प्रवक्ता रामनयन जी महाराज ने श्रीमद् देवी भागवत पुराण के उन प्रसंगों का वर्णन किया, जो मां दुर्गा की उत्पत्ति और उनकी अलौकिक शक्तियों को दर्शाते हैं। उन्होंने बताया कि कैसे मां भगवती ने देवताओं की प्रार्थना पर महिषासुर का संहार कर धर्म की स्थापना की। कथा के दौरान श्रद्धालुओं ने मां दुर्गा के जयकारों के साथ अपनी भक्ति प्रकट की। कथावाचक ने यह भी कहा कि श्रीमद् देवी भागवत कथा का श्रवण न केवल पापों से मुक्ति दिलाता है, बल्कि जीवन में धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष की प्राप्ति का मार्ग प्रशस्त करता है।

अनुष्ठान में वर्णित यजमान भूपत यादव पंचायत सचिव, शोभाराम नामदेव,(मदन भैया) सुधीर पटेरिया, उदयराम राय, बाला साहू, सुदामा साहू, हल्ले भाई यादव, बती बाई लोधी, अयोध्या बाई, कुसुम रानी साहू ने कहा, यह आयोजन हमारी सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत को संजोने का एक प्रयास है। हर दिन सैकड़ों लोग कथा सुनने और मां के दर्शन के लिए आ रहे हैं। स्थानीय निवासी अंजनेय शर्मा (बिट्टू)ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा, इस कथा से मन को शांति मिलती है और मां भगवती के प्रति श्रद्धा और गहरी होती है।

नवरात्रि : दूसरे दिन मां को जल अर्पण करने पहुंचे श्रद्धालुजन

तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

रविवार को नवरात्र के व्रत प्रारंभ होने के बाद दूसरे दिन सोमवार को श्रद्धालु भक्तजनों का ताता नगर के देवी मंदिरों सुबह 4 बजे से जल अर्पण करने के लिए पहुच रहा है श्रद्धालुजन माता के जयकारे लगाते तहसील स्थित खेरमाता, पुरानी खेरमाता, ज्वाला देवी मंदिर हुए नगर के महाकाली मंदिर पहुच रहे है जहां देवी माँ को जल अर्पण करने के पश्चात उनकी पूजा अर्चना कर रहे हैं नगर का वातावरण नवरात्रि के चलते धर्ममय हो चुका है नवरात्रि के दूसरे दिन मां ब्रह्मचारिणी की पूजा की जाती है. देवी के इस रूप को माता पार्वती का अविवाहित रूप माना जाता है. इसके अलावा मां ब्रह्मचारिणी को ज्ञान, तपस्या और वैराग्य की देवी माना जाता है. मां ब्रह्मचारिणी का मतलब है तप का आचरण करने वाली ।

सांसद से कार्यकर्ताओं ने केंद्रीय विद्यालय की फिर की मांग

तेंदूखेड़ा। दमोह लोकसभा क्षेत्र के लोकप्रिय सांसद राहुल सिंह लोधी का सोमवार को दमोह से जबलपुर जाते समय नगर में अल्प प्रवास पर आगमन

हुआ,इस अवसर पर नगर के सभी ज्येष्ठ श्रेष्ठ कार्यकर्ता बंधुओ ने पुष्पाहार पहिनाकर सांसद का स्वागत किया,सभी कार्यकर्ताओं ने आत्मीय स्नेहपूर्ण भेंट की इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष और युवा मोर्चा अध्यक्ष शुभम जैन ने सांसद से तेन्दूखेड़ा की बहुप्रतीक्षित केंद्रीय विद्यालय की मांग को रखा।जिस पर सांसद ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान से इस बावत मांग करते हुये,शीघ्र पूर्ण कराने आश्वस्त किया। इस अवसर पर सांसद प्रतिनिधि ठा.मूरत सिंह ,नगर परिषद अध्यक्ष सुरेश जैन ,पूर्व मंडल अध्यक्ष डॉ परम् सिंह नगर परिषद उपाध्यक्ष लक्ष्मी नामदेव युवा नेता राहुल ठाकुर पूर्व सरपंच गोविंद सिंह लोधी गुटटी दादा सुरेंद्र सेन ,सत्यम जैन ,जालम सिंह लोधी ,गजराज यादव ,देवराज लोधी ,कमलेश साहू ,राजाराम पाल ,बुद्दनन चक्रवर्ती कुलदीप उपाध्याय की उपस्थिति रही

ईदगाह पर हुई मुख्य नमाज अमन चैन के लिए उठे हाथ, एक दूसरे को गले मिलकर दी मुबारकबाद

ईदुल फितर के त्योहार पर दिनभर मीठी सेंवइयां की आती रही खुशबू

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

सोमवार को बड़े हर्ष उल्लास के साथ मीठी ईद का त्योहार नगर से लेकर ग्रामीण अंचलों में मुस्लिम समाज जनों के द्वारा मनाया गया ईद की नमाज के बाद एक-दूसरे गले मिलकर एक की ईद की मुबारकबादी वहीं अमन चैन के लिए एक साथ हजारों हाथ दुआ के लिए उठे ईद की मुख्य नमाज ईदगाह सुबह 7.15 पर हुई शहर के अलावा ग्रामीण अंचलों से ही बड़ी संख्या में लोग यहां पर नमाज अदा करने के लिए पहुंचे। इसके के बाद एक दूसरे को गले मिलकर मुबारक बाद देने का दौरा प्रारंभ हुआ ईद की बधाई देने के लिए हिंदू समाज के भी लोग पहुंचे इसके बाद दिनभर सेवाइयों की खशबू महकती रही मिठाइयों की दुकानों भीड़ लगी रही ईद का इंतजार 1 महीने के रोजे पूर्ण होने के उपरांत त्यौहार मनाया जा रहा है इसका कई दिनों से बेसब्री से इंतजार मुस्लिम समाज न कर रहे थे। ईद की खुशियां चारों तरफ छाई हुई थी वहीं बच्चों में ईद को लेकर ज्यादा उत्साह था बेसब्री से इंतजार करते हैं।

ईद की नमाज से पहले ईद गाह पर बयान करते हुए मुफ्ती हफीज अहमद ने बताया कि हमनें जिस तरह एक माह बुरे कामों से बचे और सही समय पर नमाज पढ़ी रोजा रखे ऐसे ही हमे पूरे साल अच्छे काम

करना हे बुरे कामों से बचना है अच्छे काम इंसानियत की भलाई के लिए हमेशा काम करना चाहिए खुदा ने हमें अच्छे कर्म करने के लिए भेजा है।

मीठी ईद पर ईदगाह पर मुख्य नमाज सुबह 7.15 पर अदा की गई । ईद की नमाज इमाम नूर उद्दीन के बेटे मतीन ने पढ़ाई एक साथ दुआ करने के लिए यहां पर हजारों की तादाद मे मुस्लिम समुदाय ने ईद की नमाज अदा की इमाम नूर उद्दीन साहब ने खुतबा पड़ा उसके बाद सामूहिक दुआ कराई गई। जिसमें इमाम साहब ने पूरी दुनिया के अमन अमान के लिए दुआ कराई जिसमें उपस्थित मुस्लिम समुदाय ने आमीन कहा । इसके बाद

जामा मस्जिद मे ईद की नमाज 7.30 बजे , 7.45 बजे बिलाल मसजिद , ताज मस्जिद मे 8 बजे , मस्जिद कामनगिरान मे 8.15 पर ईद की विशेष नमाज अदा की गई नमाज के बाद दुआ हुई उसके बाद सभी ने एक दूसरे को गले मिलकर मुबारकबाद दी।

प्रशासन ने की अच्छी व्यवस्था - ईदगाह कमेटी के प्रबंधक डॉक्टर वसीम ने ईदुल फितर की नमाज के बाद नगर पालिका प्रशासन, पुलिस प्रशासन आदि के सहयोग के लिए आभार माना ईदगाह पर साफ सफाई, टेंट की अच्छी व्यवस्था करने के लिए प्रशासन का आभार व्यक्त किया

ईद के त्योहार पर एक दूसरे को गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी जा रही है। सेवाइयों के साथ कई तरह के पकवान और मिठाई से स्वागत किया जा दो दिनों तक ईद की खुशियां मनाई जाएगी यहां पर सभी त्यौहार हिंदू मुस्लिम मिलकर बनाते हैं यह परंपरा कई वर्षों से बनी ही है इसका नजारा आज भी देखने को मिला। वहीं भाजपा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने भी ईद पर ईदगाह पहुंचकर ईद की मुबारकबाद दी। ऑल इंडिया मुस्लिम त्योहार कमेटी के द्वारा ईद पर ईद मिलन कार्यक्रम का आयोजन नगर पालिका शादी हाल में किया जिला अध्यक्ष अल्ताफ खान ने कहा कि सभी त्योहार यहां पर मिलजुल का मनाया जाते हैं। उसी के उपलक्ष में ईद मिलन कार्यक्रम आयोजित किया गया इसमें सभी लोगों ने बढ़-चला का भाग लिया एक दूसरे को गले मिलकर मुबारकबाद !

पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों के साथ नपा अध्यक्ष मनमोहन साहू, नपा सीएमओ रामप्रकाश साहू, एच ओ धीरज मीना, पार्षद गण काँग्रेस एवं भाजपा के नेताओं ने मुबारक बाद दी !

तेंदूखेड़ा जामा मस्जिद में अदा की ईद उल फितर की नमाज

तेंदूखेड़ा। रमजान के आखिरी रोज को चाँद दिखते सव्वाल का माह प्रारम्भ होता हैं सव्वाल कि पहली तारीख को मनाई जाती है ईद उल फितर इसी सिलसिले में जब आसमान पर चाँद नजर आया तो सभी ने ईद के चाँद की एक दूसरे को मुबारक बाद दी और सोमवार के दिन सुबह 10.00 बजे सभी मुस्लिम भाइयों ने ईद की नमाज अदा की नगर में प्रतिवर्षानुसार की तरह इस वर्ष भी ईदुल फितर का त्यौहार बड़ी ही खुशहाली के साथ मनाई गई जिसमे सभी समुदाय के लोगो ने ईद के मौके पर गले मिलकर

भाईचारे के साथ एक दूसरे को मुबारक बाद दी और अमन चैन की और खुशहाली की दुआ मांगी जिसमे पेसिमाम साहब खालिद रजा मुस्लिम समाज के अध्यक्ष मो, समी खान (नत्थू भाईजान) उपाध्यक्ष हाजी डॉ,अब्दुल अजीज साहब अब्दुल सलाम खान अब्दुल खलील खान अब्दुल कलाम (सोनू खान) एंजी. सावि‍र खान शोएब खान इदरीश खान हैदर हुसैन जाफरी रहीश खान भूरा खान सलीम बेग एवं सभी समुदाय के लोग मौजूद रहे।

जल गंगा संवर्धन अभियान के कार्य जारी

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विदिशा जिले के लटेरी ब्लॉक अंतर्गत मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के तत्वाधान में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत कार्यों का संपादन जनसहभागिता से हुआ है। गौरतलब हो कि राज्य सरकार के द्वारा 30 मार्च से 30 जून 2025 तक जल गंगा संवर्धन अभियान का क्रियान्वयन किया जाना है। उसी क्रम में जन अभियान परिषद लटेरी द्वारा छोटी मदन की बावड़ी कुंड में श्रमदान कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया कार्यक्रम में जनप्रतिनियों के साथ साथ ग्रामीणजनों एवं जन अभियान की टीम के सहयोग से अभियान को व्यापक रूप से गति दी जा रही है।

जन अभियान परिषद की जिला समन्वय पूजा श्रीवास्तव ने बताया कि जन अभियान परिषद की टीम

प्राचीन जल धरोहर व स्रोतों के जीर्णोद्धार हेतु उमड़ा जनसैलाब

सिरोंज ! विदिशा जल की महत्वत्ता से हम सब भलि भांति परिचित हैं। जल का कोई विकल्प नहीं है। आने वाली पीढ़ी को विरासत में प्रचुर जल भंडार दें इसी मंशा और उद्देश्यों की प्राप्ति से संचालित प्रदेशव्यापी जल गंगा संवर्धन अभियान की निहित बिंदुओं की विदिशा जिले में शत प्रतिशत सैचुरेशन के लिए कलेक्टर रौशन कुमार सिंह द्वारा विशेष पहल कर कार्य योजना को मूर्त रूप दिया जा रहा है। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा चयनित नवांकुर संस्था युवा परिवर्तन सेवा समितियों के माध्यम से जल संवर्धन के कार्यों को अंजाम दिया जा रहा है।

गांव-गांव में पहुंचकर जन-जन तक जल गंगा संवर्धन अभियान सहित अन्य सभी योजनाओं को सफल बनाने हेतु कार्यक्रमों का आयोजन कर रही है।इसी कड़ी के तहत जल गंगा संवर्धन अभियान को अपने निरंतर व्यवहार में शामिल करने एवं प्रत्येक गांव वार्ड में जल संरक्षण के लिए कार्य का चयन का निरंतर कार्य करते रहने का माहौल तैयार किया जा रहा है।ब्लॉक समन्वयक सरिता पाठक ने लटेरी ब्लॉक के प्रत्येक सेक्टर व गांव में जल गंगा संवर्धन के कार्यों की कार्य योजना तैयार की कार्यक्रम के दौरान जल संरक्षण ब संवर्धन के लिए ली गई शपथ इस अवसर पर जन अभियान परिषद की समस्त नवांकुर संस्थाएं से शिवराज सिंह राजपूत, रविशंकर धाकड़, लोकेंद्र सिंह राजपूत,अनिल कुशवाह, राजेश बघेल,नीलेश धाकड़,निशा राजपूत, पूजा धाकड़, अनिल साहू, सुरेश कुशवाह एवं सीएमसीएलडीपी के छात्र-छात्राओ के साथ ग्रामीणों ने भी सहभागिता निभाई है।

विदिशा जिले में पहली बार गिद्ध को जियो टैग कर छोड़ा गया

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विदिशा वन मंडल विदिशा के एवं रायसेन के अंतर्गत हलाली डैम के नजदीक एक यूरेशियन प्रजाति का गिद्ध को जीपीएस का टैग लगाकर छोड़ गया है ।विदिशा जिले के अंतर्गत विगत माह में हुई गणना में गिद्धों की विभिन्न प्रजातियां मिली थी एवं संख्या में वृद्धि देखने को मिली थी उसी के फल स्वरुप वन मंडल अधिकारी विदिशा के द्वारा एवं भोपाल से आएं प्रधान मुख्य वन संरक्षक श्री असीम श्रीवास्तव एवं प्रधान मुख्य वन संरक्षक वन्य प्राणी श्री शुभरंजन सैन की उपस्थिति में गिद्ध को जिओ टेक कर छोड़ा गया है ।

वन मंडलाधिकारी हेमंत यादव

ने बताया कि विदिशा जिले में पहली बार इस प्रकार का प्रयोग किया गया है ,जो निश्चित रूप से गिद्धों के संरक्षण एवं संवर्धन में एक पहल होगी ।

प्रदेश व्यापी गणना में विदिशा जिले में गिद्धों की उपस्थित संख्या में ही नहीं बल्कि विभिन्न प्रजातियों के गिद्ध भी यहां वृध्दि पाई गई है।

वन मंडल अधिकारी हेमंत यादव द्वारा विदिशा जिले में लगातार नवाचार किया जा रहा है जिसके परिणाम सामने आ रहे हैं प्रदेश में गिद्धों की जिओ टैगिंग इसके पूर्व पन्ना में हुई थी और अब विदिशा जिले में हुई है।

मेट्रो एंकर तेंदूखेड़ा ब्लॉक के मोहड़ ग्राम का मामला 50 हजार से अधिक का किसान का हुआ नुकसान

तार की चपेट में आने से ट्राली में भरी फसल जलकर खाक

तेन्दूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

गर्मी आते ही आगजनी की घटनाएं घटित होने लगती है बीत एक महीने में एक दर्जन से अधिक स्थानों पर आगजनी की घटनाएं घटित हो चुकी है और साथ ही तेन्दूखेड़ा उप वनमंडल के चारों वन परिक्षेत्रों के जंगलों में भी कई हेक्टेयर जंगल जलकर खाक हो चुके हैं साथ ही खेत खलिहानों में भी आगजनी की घटनाएं हो रही है सोमवार को भी तेंदूखेड़ा ब्लॉक के अंतर्गत आने वाले ग्राम मोहड़ में सुबह करीब 11 बजे एक किसान की गेहूं की फसल जलकर राख हो गई। किसान राकेश सेन खेत से गेहूं की कटाई के बाद फसल को ट्राली में

भरकर घर ले जा रहे थे लेकिन रास्ते में एक ट्रांसफॉर्मर के पास बिजली के तारों में शॉर्ट सर्किट हुआ इससे निकली चिंगारी ट्राली में भरी फसल पर गिर गई कुछ ही देर में फसल से धुआं निकलने लगा। आसपास मौजूद लोगों ने ट्रैक्टर चालक को सूचना दी गांव के लोगों ने कुप्पों में पानी भरकर आग बुझाने का प्रयास किया। लेकिन तब तक आग ने विकराल रूप ले लिया था। ट्रैक्टर चालक महेंद्र लोधी ने तत्काल सूझबूझ दिखाते हुए ट्राली को एक स्थान पर ले जाकर फसल को पलट दिया। इससे आग का गांव तक फैलना रुक गया किसान राकेश सेन के अनुसार, इस हादसे में उनकी करीब 50 हजार रुपए से अधिक की फसल जलकर नष्ट हो गई ट्रैक्टर चालक लोधी की सतर्कता से कोई जनहानि नहीं हुई और गांव में आग नहीं फैल पाई

हर साल होती है आगजनी की घटनाएं किसानों को होता है लाखों का नुकसान

वहीं क्षेत्र में हर साल बिजली के तार के शार्ट सर्किट या फिर फाल्ट या फिर अन्य वजह से फसलों में आग लगने के मामले हर साल सामने आते हैं इससे किसानों को पांच महीने की मेहनत पलभर में आगजनी में राख हो जाती है अब फिर से किसानों में आगजनी की घटनाओं को देखते हुए चिंतित नजर आने लगे हैं किसानों का कहना है कि खेतों में इस समय फसल पककर तैयारी खड़ी है तो कहीं कहीं कटाई भी हो चुकी है तो कहीं कहीं अभी कटाई होना बाकी है एक चिंगारी बड़ी आग का कारण बन सकती है इससे वह चिंतित भी नजर आ रहे हैं पिछले साल ही तेन्दूखेड़ा ब्लॉक में 20 से अधिक जगहों पर फसल में आग लगने की घटनाएं सामने आई थी किसानों का कहना है कि बिजली विभाग के अधिकारियों को जिस जगह बिजली के तार झूल रहे हैं उनकी मरम्मत करना चाहिए

शैक्षणिक समस्याओं हेतु कंट्रोल रूम स्थापित

सिरोंज ! विदिशा कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने विदिशा जिले में स्कूल चले हम अभियान के साथ साथ अन्य शैक्षणिक समस्याओं से शीघ्र अवगत होकर निराकरण की कार्यवाही संपादित कराने के उद्देश्य से जिला मुख्यालय पर एक कंट्रोल रूम गठित कराया गया है। कलेक्टर श्री सिंह के द्वारा जारी निर्देश के अनुपालन में की गई कार्रवाई की जानकारी देते हुए संयुक्त कलेक्टर श्रीमती शशि मिश्रा ने बताया कि कलेक्ट्रेट के कक्ष क्रमांक 225 में संचालित कंट्रोल रूम का मोबाइल नंबर 7400507766 है। उक्त नम्बर पर सीधे चर्चा कर अथवा व्हाट्सएप पर संदेश भेजकर समस्या संबंधी जानकारी दे सकते हैं। कंट्रोल रूम में जानकारियां प्राप्ति और पंजी में संधारित करने के लिए स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारी कर्मचारियों को दो शिफ्टों में तैनात किया गया है।

जिले की सभी मदिरा दुकानों की नीलामी हुई

सिरोंज! जिला आबकारी अधिकारी विनय रंगशाही ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए जिले की समस्त 74 मदिरा दुकानों की नीलामी आन लाइन सात टेंडरों के माध्यम से पूरी हुई है। जो गत वर्ष की तुलना में 18.6 प्रतिशत अधिक है।

प्रभारी मंत्री श्री लखन पटेल का दौरा कार्यक्रम

सिरोंज! पशुपालन एवं डेयरी विभाग के मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री लखन पटेल बुधवार 2 अप्रैल को विदिशा जिले में आयोजित कार्यक्रमों में शामिल होंगे। प्रभारी मंत्री श्री पटेल का प्राप्त दौरा कार्यक्रम अनुसार बुधवार दो अप्रैल की प्रातः 09.00 बजे भोपाल से प्रस्थान कर प्रातः 10.30 बजे शमशाबाद सर्किट हाउस में आगमन तत्पश्चात 10.45 बजे पिपलधार के लिए रवाना होकर पूर्वाहन 11 बजे से पिपलधार में आयोजित शाला में पहला कदम अभियान कार्यक्रम में शामिल होंगे। प्रभारी मंत्री नटेरन मे अनुविभागीय अधिकारी राजस्व के कार्यालय का लोकार्पण एवं स्थानीय कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे।

किलियन एम्बाप्पे के ब्रेस ने बार्सिलोना पर रोमांचक जीत के बाद पीएसजी को चैंपियंस लीग सेमीफाइनल में पहुंचाया

चैंपियंस लीग सेमीफाइनल में डॉर्टमुंड से भिड़ंत तय की

नईदिल्ली, एजेंसी

क्वार्टर फाइनल के दूसरे चरण में एफसी बार्सिलोना पर 4-1 की रोमांचक जीत (कुल मिलाकर 6-4) के साथ यूईएफए चैंपियंस लीग सेमीफाइनल में अपना स्थान सुरक्षित कर लिया। (भारतीय मानक समय के अनुसार) ओलोम्पिक लुलिस कंपनी। पीएसजी ने घरेलू हार और दो गोल से पिछड़ने के बाद वापसी की, एमबीप्पे ने पेनल्टी को गोल में बदला और अंतिम समय में एक गोल जोड़कर दूसरे चरण में 4-1 की जीत के साथ सेमीफाइनल में जगह पक्की की।

कठिन शुरुआत के बाद, पीएसजी ने पहला गोल खा लिया क्योंकि राफिन्हा ने 12वें मिनट में गोल कर बार्सिलोना को 1-0 और कुल स्कोर 4-2 से आगे कर दिया। हालाँकि, रोनाल्ड अराउजो के सीधे लाल कार्ड के कारण बार्सिलोना को मैच के अधिकांश समय में दस खिलाड़ियों तक सीमित कर दिया गया। मौके का फायदा उठाते हुए पीएसजी ने 40वें मिनट में ओस्मान डेम्बेले के गोल से स्कोर 1-1 और कुल स्कोर 4-3 कर दिया। दूसरे हाफ में, पीएसजी ने मैच का रुख बदलने के लिए अपने संख्यात्मक लाभ का फायदा उठाया। 54वें मिनट में वितिन्हा के गोल ने कुल स्कोर 4-4 कर दिया, जिससे पीएसजी को खेल में 2-1 की बढ़त मिल गई। डेम्बेले ने अपने पूर्व क्लब का सामना करते हुए पीएसजी के लिए पेनल्टी अर्जित की, जिसे एमबीप्पे ने 64वें मिनट में गोल में बदल दिया, जिससे मैच में पीएसजी की बढ़त 3-1 और कुल स्कोर 5-4 हो गई।

दिलचस्प बात यह है कि एमबीप्पे ने अब चैंपियंस लीग में बार्सिलोना के खिलाफ किसी भी अन्य टीम की तुलना में अधिक गोल किए हैं, उनके खिलाफ पांच गोल हो गए हैं। आठ गोल के साथ केवल थॉमस मुलर का चैंपियंस लीग में बार्सिलोना के खिलाफ बेहतर रिकॉर्ड है। पेरिस के लिए चैंपियंस लीग जीतने का मेरा सपना है। मुझे पहले दिन से ही पीएसजी में होने पर गर्व है। ऐसा नहीं है कि अच्छे और बुरे समय के कारण मेरे गौरव को ठेस पहुंचती है। इस क्लब के लिए खेलने का गौरव , अपने देश की राजधानी के क्लब का प्रतिनिधित्व करना, मेरे लिए यह कुछ खास है जो वहां पला-बढ़ा है। एक पेरिसवासी के रूप में इस तरह की शाम का अनुभव करना बहुत अच्छा है, वेम्बली में फाइनल में पहुंचने से पहले हमें एक और कदम उठाना होगा , इसलिए हमें शांत रहने की जरूरत है, गोल के अनुसार, एमबीप्पे ने मैच के बाद कहा।

सेमीफाइनल में पीएसजी का सामना डॉर्टमुंड से होगा

पीएसजी अब यूसीएल सेमीफाइनल में डॉर्टमुंड से भिड़ेगी, साथ ही बुंडेसलीगा टीम ने भी एटलेटिको को कुल स्कोर पर 5-4 से हराकर उल्लेखनीय वापसी की। यह जीत डॉर्टमुंड की 11 वर्षों में चैंपियंस लीग के सेमीफाइनल में पहली उपस्थिति का प्रतीक है।

खराब प्रदर्शन : मुंबई इंडियंस के स्टार बल्लेबाज का बल्ला खामोश

रोहित शर्मा ने आईपीएल की आखिरी 10 पारियों में सिर्फ एक बार बनाया 20+ स्कोर

लखनऊ, एजेंसी

कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ भी मुंबई इंडियंस (एमआई) के स्टार बल्लेबाज रोहित शर्मा का बल्ला खामोश रहा। वह सिर्फ 13 रन बनाकर आउट हुए। इस सत्र में हिटमैन अबतक कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। उन्होंने इससे पहले गुजरात के खिला आठ रन बनाए थे जबकि चेन्नई के खिलाफ ओपनिंग मैच में वह खाता भी नहीं खोल सके थे। हैरानी की बात यह है कि दाएं हाथ के बल्लेबाज आईपीएल की पिछली 10 पारियों में सिर्फ 141 रन ही बना सके हैं। उन्होंने सिर्फ एक बार 20 से ज्यादा रन (पिछले सत्र में लखनऊ के खिलाफ 68 रनों की पारी खेली) बनाए। शनिवार को खेले गए मुकाबले में रोहित को आंद्रे रसेल ने अपना शिकार बनाया। टी20 प्रारूप में वेस्टइंडीज के इस गेंदबाज के खिलाफ रोहित ने 16 पारियों में 163.5 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए 139 रन बनाए हैं।

मुंबई ने केकेआर को आठ विकेट से हराया

मुंबई इंडियंस (एमआई) ने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को आठ विकेट से हराकर जीत का खाता खोल लिया। सोमवार को वानखेड़े में खेले गए इस मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी गत विजेता केकेआर ने 20 ओवर में 10 विकेट खोकर सिर्फ 116 रन बनाए थे। जवाब में मुंबई ने रेयान रिकेल्टन की अर्धशतकीय पारी की बदौलत महज 12.5 ओवर में ही लक्ष्य हासिल कर प्रशंसकों को चेहरे पर मुस्कान ला दी। इससे पहले गुजरात टाइटंस और चेन्नई सुपर किंग्स ने हराया था।

अंक तालिका में हुआ बड़ा बदलाव

आईपीएल में यह मुंबई की केकेआर पर 24वीं जीत है। वहीं, वानखेड़े स्टेडियम पर एमाई ने 10वीं बार कोलकाता को मात दी है। 43 गेंदों के शेष रहते मुंबई ने जीत हासिल कर अंक तालिका में बड़ा उलटफेर कर दिया है। दो अंक और 0.309 के नेट रन रेट के साथ मुंबई छठे पायदान पर पहुंच गई जबकि केकेआर 10वें स्थान पर लुढ़क गई। उनका खाते में दो अंक जरूर हैं लेकिन केकेआर का नेट रन रेट -1.428 हो गया। आईपीएल 2025 की अंक तालिका में शीर्ष पर फिलहाल आरसीबी है जिसने अपने दोनों मैचों में जीत के साथ चार अंक हासिल किए हैं। उनका नेट रन रेट भी +2.266 का है।

9.4 करोड़ की इनाम राशि मिली

जोकोविच को हरा जैकब ने जीता मियामी ओपन

न्यह खिताब जीतने वाले सबसे युवा टेनिस खिलाड़ी, अपना पहला एटीपी टाइटल भी हासिल किया

जर्मनी, एजेंसी

चेक रिपब्लिक के टेनिस खिलाड़ी जैकब मेनसिक ने मियामी ओपन टाइटल जीत लिया है। जैकब यह टाइटल जीतने वाले सबसे युवा खिलाड़ी हैं। ये 19 साल के जैकब की पहली एटीपी ट्रॉफी भी है। उन्होंने फाइनल में पहली सीड सर्बिया के नोवाक जोकोविच को 7-6 (4), 7-6 (4) से हराया। उन्हें 9.4 करोड़ की इनाम राशि मिली। इससे पहले मेनसिक को पिछले साल अक्टूबर में शंघाई मास्टर्स में तीन सेटों से जोकोविच से हार मिली थी। मेनसिक ने टाइटल जीतने के बाद कहा, जोकोविच के खिलाफ मैं यह मैच बहुत नर्वस होकर खेला था। जोकोविच ने 2007 में पहला मियामी ओपन जीता, मेनसिक 2 साल के थे। नोवाक जोकोविच मियामी ओपन का फाइनल इस बार हार गए हैं। जोकोविच इस टाइटल को 6 बार जीत चुके हैं। जब 2007 में उन्होंने पहली बार ये ट्रॉफी जीती थी तब मेनसिक केवल 2 साल के थे।

37 साल के जोकोविच मास्टर्स 1000 में शामिल मियामी ओपन के फाइनल में पहुंचने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए हैं। अगर वे फाइनल जीत जाते तो यह उनका 100वां प्रोफेशनल एटीपी टाइटल होता।

जोकोविच ने अभी तक 99 इंटरनेशनल टाइटल जीते है। वहीं अमेरिका के जिमी कोनर्स (109) और स्विस खिला?ी रोजर फेडरर (103) केवल दो ऐसे खिलाड़ी हैं, जिन्होंने 100 का आंकड़ा पार किया है।

मेट्रो बाजार

टाटा की एक और उड़ान, फैब इंडिया की हिस्सेदारी खरीद सकती है कंपनी

नईदिल्ली, एजेंसी

एथनिक कपड़ों के मशहूर ब्रांड फैब इंडिया के बारे में आपने सुना ही होगा और इसी से जुड़ी बड़ी खबर आई है. खबरें हैं कि टाटा समूह की फैब इंडिया को खरीदने के लिए समूह और कंपनी के बीच बातचीत चल रही है. टाटा समूह की फैब इंडिया के साथ अधिग्रहण से जुड़ी बातचीत चल रही है और इस बात के संकेत मिले हैं कि इसकी वैल्यू आरंभिक वैल्यूएशन या 2.5 बिलियन डॉलर के शुरुआती अनुमान से कम हो सकती है. एक रिपोर्ट के मुताबिक टाटा ग्रुप की एथनिक अपैरेल बिजनेस करने वाली कंपनी फैबइंडिया के प्रमोटर्स और स्टेकहोल्डर्स के साथ चर्चा चल रही है और इस खरीदारी को पूरा करने से जुड़ा कोई बड़ा ऐलान जल्द हो सकता है. इस रिपोर्ट में ये भी जानकारी दी गई है कि जारी चर्चा में 2.5 बिलियन डॉलर के पहले के एस्टीमेट से निचले स्तर पर कोई सौदा हो सकता है. फैबइंडिया का आईपीओ लाने की योजना पूरी नहीं हो पाई थी. अगर ये सौदा हो जाता है तो ये टाटा ग्रुप के लिए उसके पोर्टफोलियो में बड़ा वैल्यू ऐडीशन का काम करेगा और खासतौर से एथनिक वियर सेक्टर में इसके लिए मुनाफे का सौदा हो सकता है. टाटा की रिटेल शाखा ट्रेंट के तहत आने वाले ब्रांड वेस्टसाइड, जूडियो और यू के साथ-साथ ये ब्रांड इसके पोर्टफोलियो को और समृद्ध करेगा. हालांकि टाटा समूह और ट्रेंट किसी ने भी इस बारे में पूछ गए सवालों का जवाब नहीं दिया है और मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस पर कोई टिप्पणी करने से इंकार कर दिया है. वहीं फैबइंडिया के प्रवक्ता ने ऐसी किसी भी चर्चा से फिलहाल इंकार कर दिया है. एबीपी न्यूज भी खबर की पुष्टि नहीं करता है. फैबइंडिया ने अपनी सब्सिडियरी ऑरगेनिक इंडिया को टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स को 1900 करोड़ रुपये की एंटरप्राइज वैल्यू पर बेच दिया था.

वोडफोन-आइडिया ने एफपीओ से जुटाए 18 हजार करोड़

मुंबई, एजेंसी। कर्ज के बोझ से दबी दूरसंचार कंपनी वोडाफोन आइडिया लिमिटेड ने देश की अब तक की सबसे बड़ी फॉलो-ऑन पेशकश (एफपीओ) में 18,000 करोड़ रुपये जुटा लिए हैं। स्टॉक एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार संस्थागत निवेशकों की ओर से यह इश्यू करीब सात गुना अधिक सब्सर इब किया गया। एफपीओ बंद होने के दौरान 8,011.29 शेयरों की मांग की गई। इश्यू के आकार का करीब 6.99 गुना है। यह अब तक का किया गया सबसे अधिक सब्सरि प्शन है। कंपनी को 88,124 करोड़ रुपये की बोलियां मिलीं है, लेकिन एफपीओ पेशकश के आकार के अनुसार कंपनी अपने पास 12,600 करोड़ रुपये ही रखेगी। बाजार हिस्सेदारी से पहले 490 करोड़ शेयर बेचकर एंकर निवेशकों से एकत्र किए गए 5,400 करोड़ रुपये के साथ कंपनी ने एफपीओ के जरिए 18,000 करोड़ रुपये जुटा लिए हैं। पात्र संस्थागत खरीदारों ने उनके लिए आरक्षित शेयरों के 19.31 गुना की बोली लगाई, जबकि गैर-संस्थागत निवेशकों ने उनके लिए निर्धारित शेयरों के 4.54 गुना के लिए बोली लगाई। शेयरों की पेशकश 10-11 रुपये के प्राइस बैंड में की जा रही थी, जो शेयर के ट्रेडिंग प्राइस से कम थी। एनसीएलटी की दो सदस्यीय दिल्ली पीठ ने जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज लिमिटेड के चेयरमैन एमेरिटस चंद्रा के खिलाफ कॉरपोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया शुरू करने का निर्देश दिया, जो एस्सेल समूह की कंपनी विवेक इंफ्राकॉन लिमिटेड को दिए गए।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

फ्लाइट में ऐश्वर्या को हुआ था शादी का अहसास

ऐश्वर्या राय बच्चन और अभिषेक बच्चन ने साल 2007 में शादी की थी। उस वक्त इस शादी की खूब चर्चा हुई थी। कई दिनों तक यह जोड़ी सुर्खियों में रही थी। मालूम हो कि ऐश्वर्या राय बच्चन और अभिषेक बच्चन की शादी को 17 साल पूरे होने जा रहे हैं। इस खास मौके पर हम ऐश्वर्या राय बच्चन से जुड़ी दिलचस्प बातें बताने जा रहे हैं।

जब एयर होस्टेस ने ऐश्वर्या को कहा- मिसेज बच्चन

जब शादी के बाद ऐश्वर्या राय और अभिषेक बच्चन बोरा बोरा में हनीमून मनाने गए थे तो एक वाकया हुआ था। ऐश्वर्या ने खुद इसके बारे में बताया था। दोनों फ्लाइट से यात्रा कर रहे थे तभी अचानक एयर होस्टेस ऐश्वर्या राय के पास आई और उन्हें 'मिसेज बच्चन' कहकर बुलाया। यह सुनते ही अभिषेक और ऐश्वर्या ने तुरंत एक-दूसरे को देखा और दोनों जोर से हंस पड़े। ऐश्वर्या ने बताया था कि 'मिसेज बच्चन' सुनकर उन्हें अचानक महसूस हुआ था कि उनकी शादी हो गई है।

'धूम-2' की शूटिंग के दौरान हुआ था प्यार

ऐश्वर्या राय बच्चन और अभिषेक बच्चन ने एक साथ कई फिल्मों में काम कर चुके हैं। इनमें धूम 2, रावण, कुछ ना कहो, ढाई अक्षर प्रेम के, गुरु और उमराव जान शामिल है। अभिषेक बच्चन को धूम 2 की शूटिंग के दौरान ऐश्वर्या राय बच्चन से इश्क हुआ था। इसके बाद दोनों ने शादी रचाई थी। दोनों पहली बार फिल्म 'ढाई अक्षर प्रेम के' के एक फोटो शूट के लिए मिले थे। कुछ साल बाद उनके बीच नजदीकियां बढ़ने लगी थी।

सिद्धार्थ रॉय कपूर से शादी के बाद कैसी चल रही है विद्या बालन की लाइफ? एक्ट्रेस ने बताया, कहा-

तमाम परेशानी के बावजूद, हमारे रिश्ते में बहुत ज्यादा ईमानदारी है

इन दिनों बॉलीवुड एक्ट्रेस विद्या बालन अपनी अपकमिंग फिल्म 'दो और दो प्यार' को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं. विद्या बालन लंबे समय के बाद इस फिल्म में नजर आने वाली हैं. हाल ही में विद्या ने बताया कि, सिद्धार्थ रॉय कपूर से उनकी मुलाकात साल 2010 में करण जौहर के घर पर एक पार्टी में हुई थी. फिल्म निर्माता ने कामदेव की भूमिका निभाई थी, उन्होंने जानबूझकर हम दोनों को इनवाइट किया था क्योंकि वो चाहते थे कि हम एक साथ हों. एक्ट्रेस ने कहा, आजकल की जेनरेशन दाएं और बाएं स्वाइप करती हैं. लेकिन मैं भाग्यशाली रहीं कि टिंडर और बम्बल के फलने-फूलने से पहले ही मुझे एक पार्टनर मिल गया और मैं इससे बहुत खुश हूं. प्यार हमेशा प्यार ही रहेगा. बता दें कि कुछ समय तक डेटिंग करने के बाद, सिद्धार्थ और विद्या ने दिसंबर 2012 में शादी कर ली थी. आगे विद्या ने कहा कि तमाम परेशानी के बावजूद भी, हमारे रिश्ते में बहुत ज्यादा ईमानदारी है और ये ही कारण है कि वह सिद्धार्थ के सामने अपनी फीलिंग्स को खुलकर जाहिर करने से नहीं डरती.

झूठ नहीं बोल सकतीं

पति सिद्धार्थ के बारे में बात करते हुए एक्ट्रेस बोलीं- अच्छी बात ये है कि वह समझता है कि मैं जो करती हूं उसे करने के लिए कितनी मेहनत करनी पड़ती है. इसलिए, वह बहुत सपोर्टिव है और ये दूसरा पहलू भी है क्योंकि मैं काम के कारण थकने के बारे में उनसे झूठ नहीं बोल सकतीं.

'मुन्ना भाई एमबीबीएस' में सर्किट से पहले कुछ ओर था अरशद के किरदार का नाम

बॉलीवुड अभिनेता अरशद वारसी 'सर्किट' के नाम से जाने जाते हैं। उनके द्वारा फिल्म 'मुन्ना भाई एमबीबीएस' में निभाया गया यह किरदार काफी यादगार है। दर्शकों ने इस किरदार को खूब पसंद किया था। यह फिल्म 2003 में रिलीज हुई थी और लोग आज तक अरशद के इस किरदार को भूले नहीं है। हाल ही में, अरशद वारसी ने खुद इस किरदार के बनने के पीछे की कहानी बताई है। अरशद ने एक साक्षात्कार में बताया कि उनके इस किरदार का नाम पहले सर्किट नहीं, बल्कि खुजली था। उसके कपड़े और हरकतें काफी ज्यादा अलग तरह की थी। उन्होंने कहा, नाम सुनते ही आपको लगता है, ये सिर्फ खुजाता रहेगा। उससे ज्यादा क्या ही करेगा, तो वह पूरा पैकेज खराब हो जाता है। अरशद वारसी ने सर्किट के किरदार पर काफी मेहनत की थी। अरशद ने बताया कि उन्होंने फिल्म के निर्देशक राजकुमार हिरानी से किरदार का नाम बदलने को कहा था। इसके अलावा उसके कपड़ों में भी बदलाव करने की बात कही थी। उन्होंने बताया कि इस फिल्म की शूटिंग के दौरान तक राजकुमार हिरानी उनके सेंस ऑफ ह्यूमर के बारे में नहीं जानते थे। उन्होंने दिलचस्प बात बताते हुए कहा कि फिल्म के कुछ-कुछ सीन तो ऐसे थे, जिनमें सब कुछ अरशद ने ही किया था। फिल्म के दृश्यों में जान डालने के लिए उन्होंने काफी काम किया था। अरशद ने बताया कि 'मुन्ना भाई एमबीबीएस' में मुख्य किरदार अदा करने वाले संजय दत्त ने भी उनके दिए सुझावों का समर्थन किया था। उन्होंने कहा संजय दत्त और उनके बीच अच्छा तालमेल है।

रंजिश में विवाद के बाद ई रिक्शा चालक पर चाकू से जानलेवा हमला

भोपाल। बैरागढ़ रेलवे स्टेशन के बाहर पुरानी रंजिश में ई रिक्शा चालक और आटो चालक के बीच विवाद हो गया। विवाद बढ़ने पर आटो चालक ने ई रिक्शा चालक पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। घटना रविवार दोपहर करीब एक से डेढ़ बजे के बीच की है। पेट में बांई ओर चाकू लगने से ई रिक्शा चालक को गंभीर चोट आई है। उसका निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। बैरागढ़ स्टेशन के बाहर हुआ विवाद, हालत नाजुक, आरोपी गिरफ्तार पुलिस के अनुसार कपिल मेघानी पिता किशोर मेघानी (32) गांधी नगर में रहता है और ई रिक्शा चलाता है। आरोपी दुर्गेश निशातपुरा में रहता है और वह आटो चलाता है। दोनों बैरागढ़ से सवारियां लेते हैं। कपिल और दुर्गेश की पुरानी रंजिश है। दोनों का रविवार को बैरागढ़ रेलवे स्टेशन के सामने आमना सामना हो गए। दोनों के बीच विवाद हुआ और दुर्गेश ने आटो में रखे पाइप से कपिल के साथ मारपीट कर दी। इस बीच आरोपी आटो में रखा चाकू निकालकर ले आया और कपिल पर हमला कर दिया। चाकू कपिल के पेट में बांई ओर लगने से वह बेसुध होकर गिर गया। कुछ लोग बीच बचाव में आए तो आरोपी दुर्गेश मौके से भाग निकला। परिचितों ने कपिल को निजी अस्पताल पहुंचाया था, वहां उसका इलाज चल रहा है। अस्पताल की सूचना पर पहुंची पुलिस ने कपिल की शिकायत पर दुर्गेश के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है।

पीएचक्यू से सेवानिवृत्त कर्मचारियों को विदाई, भेंट किए स्मृति चिन्ह

भोपाल। पुलिस मुख्यालय की विभिन्न शाखाओं से माह फरवरी तथा माह मार्च में सेवानिवृत्त 9 कर्मचारियों को विशेष पुलिस महानिदेशक आदर्श कटियार ने भावभीनी विदाई दी। वरिष्ठ अधिकारियों ने सभी को प्लांट एवं स्मृति चिन्ह भेंट किए और उनके स्वस्थ एवं सुखी जीवन की कामना की। सेवानिवृत्त कर्मचारियों को उनके विभिन्न स्वत्व (क्लेम) भुगतान के आदेश भी प्रदान किए गये। नवीन पुलिस मुख्यालय भवन कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित विदाई समारोह में विशेष पुलिस महानिदेशक पवन श्रीवास्तव, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक अनिल कुमार, ए. साई मनोहर सहित अन्य पुलिस अधिकारी, कर्मचारी एवं सेवानिवृत्त कर्मचारियों के परिजन उपस्थित थे। पुलिस मुख्यालय से सेवानिवृत्त कार्यवाहक निरीक्षक अअवि शाखा जवाहर लाल लोधी, कार्यवाहक सहायक अधीक्षक निरीक्षण शाखा शशिकला ढोके, कार्यवाहक सूबेदार (एम) चयन शाखा अंजता गुप्ता, कार्यवाहक सूबेदार (एम) केन्द्रीय आवक-जावक शाखा मृदुला सक्सेना, सेवानिवृत्त कार्यवाहक सूबेदार (एम) सूचना के अधिकार अरूण कुमार गुप्ता, कार्यवाहक सहायक उप निरीक्षक पीटीआरआई परसनाथ यादव, कार्यवाहक सहायक उप निरीक्षक अअवि किशोरीलाल उइके, कार्यवाहक सहायक उप निरीक्षक (फोटो) अअवि इन्द्रनारायण बाथम तथा कार्यवाहक सहायक उप निरीक्षक विशेष शाखा पुरुषोत्तम प्रजापति को पुलिस मुख्यालय परिवार ने शुक्रवार को भावभीनी विदाई दी।

युवक ने जहर खाकर दी जान

भोपाल। बैरसिया थाना क्षेत्र स्थित तरावली कलां गांव में एक युवक ने जहर खा लिया। परिजन उसे लेकर हमीदिया अस्पताल पहुंचे थे, वहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस के अनुसार अनूप कंजर पिता शुक्ला कंजर (18) तरावली कला में रहता था। गत 20 मार्च को उसने जहर खा लिया। परिजन उसे लेकर हमीदिया अस्पताल पहुंचे थे, वहां इलाज के दौरान रविवार रात उसकी मौत हो गई। पुलिस का कहना है कि मृतक के बयान नहीं हो सके थे। परिजन अभी शोकाकुल है। उनके बयान के बाद ही आत्महत्या के कारण स्पष्ट हो सकेंगे।

फरारी काटने बना रहे थे डकैती की योजना, पुलिस ने निकाला आरोपियों का जुलूस

हत्या के प्रयास में फरार युवक डकैती योजना बनाते गिरफ्तार

अर्जुन नगर में आरोपियों के परिजन और रिश्तेदारों ने किया विरोध

भोपाल, दोपहर मेट्रो

टीटी नगर स्थित अर्जुन नगर में शनिवार रात युवक पर चाकू से जानलेवा हमला करने वाले बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी फरारी काटने के लिए मोदी ज्वैलर्स पर डकैती की योजन बना रहे थे। आरोपियों का सोमवार दोपहर जुलूस निकाला गया और उन्हें कोर्ट में पेश किया। अर्जुन नगर में आरोपियों के परिजन और रिश्तेदारों ने जुलूस का विरोध किया। जानकारी के अनुसार 20 साल का कपिल यादव, अर्जुन नगर में रहता है और कॉलेज में पढ़ाई के साथ प्राइवेट काम करता है। शनिवार रात करीब सवा 8 बजे उस पर उमेश चौहान, आनंद चौहान, आदित्य, मोनू सावन ठाकुर और अन्य से उसका विवाद हो गया।

आरोपी उसे कहने लगे की आजकल तू कुछ ज्यादा ही सीना तानकर चल रहा है। कपिल ने आरोपियों का विरोध किया तो उन्होंने कपिल के साथ मारपीट शुरू कर दी। इस बीच आरोपियों ने उस पर चाकू से हमला किया था। चाकू उसे गर्दन के पास लगा था। उसका निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है।

पानी की टंकी के पास से किया गिरफ्तार

पुलिस के अनुसार मुखबिर से सूचना मिली कि प्लेटिनम प्लाजा के पीछे पानी की टंकी के पास कुछ लोग हथियार लिए खड़े हैं और वह पंचशील नगर में मोदी ज्वैलर्स पर डकैती डालने की बात कर रहे हैं। पुलिस ने घेराबंदी करते हुए सभी को हिरासत में ले लिया। पुलिस का कहना है कि पुलिस को देखकर आरोपियों ने भागने का प्रयास किया था। इस दौरान भागते समय आरोपियों को गिरने के कारण हाथ, पैर में चोटे आई है। आरोपियों के पास लोहे की रॉड, लोहे के पाइप, छूरी, तलवार, डंडा और बाइक बरामद की गई।

युवक से मोबाइल झपटकर भागा था उमेश और आनंद

थाना प्रभारी सुधीर कुमार अरजरिया ने बताया कि उमेश चौहान व आनंद चौहान द्वारा 29 मार्च को पैदल जा रहे अभिनय सिंह का मोबाइल झपटा था। रास्ते में उनको कपिल यादव दिखाई दिया। आरोपियों को उनके साथी ने बताया कि कपिल यादव दिखाई दिया है। कपिल से उनकी पुरानी रंजिश थी। इसी के चलते उमेश चौहान, आनंद चौहान के साथ आदित्य चौहान, मोनू चौहान व सावन के द्वारा कपिल यादव पर चाकू से जानलेवा हमला किया गया।

आरोपियों पर पूर्व में दर्ज है अपराध

संतोष उर्फ कालू लोधे (25) कुम्हार मोहल्ला, पंचशील नगर आरोपी पर दो दर्जन अपराध दर्ज है। उमेश चौहान (22) अर्जुन नगर। पूर्व में 8 अपराध दर्ज है। शनि चौहान (19) राहुल नगर, कमला नगर। पूर्व में तीन अपराध दर्ज है। आदित्य उर्फ आदी चौहान (20) अर्जुन नगर। पूर्व में 3 अपराध दर्ज है। आनंद चौहान (20) अर्जुन नगर। पूर्व में 3 अपराध दर्ज है। मोनू चौहान (20) अर्जुन नगर, पूर्व में 2 अपराध दर्ज है। इसी प्रकार सावन ठाकुर (19) अर्जुन नगर, पूर्व में दो अपराध दर्ज है।

नशे में पति से विवाद, बेटी रूठ कर गई, मां ने लगा ली फांसी

कजलीखेड़ा की घटना, पड़ोसी फंदे से उतारकर ले गए अस्पताल

भोपाल, दोपहर मेट्रो

कोलार थाना क्षेत्र स्थित गेहूंखेड़ा चर्च के पास कृष्णा डेयरी में रविवार रात एक महिला ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। आत्महत्या से पहले उसका पति से विवाद हुआ था। अस्पताल की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस को घटनास्थल से सुसाइड नोट नहीं मिला है।

पुलिस के अनुसार लता राजपूत पति प्रकाश राजपूत (40) चर्च के पास गेहूंखेड़ा, कृष्णा डेयरी में रहती थी। डेयरी में चार कमरे बने हुए है। कमरो में अन्य मजदूर भी रहते हैं। कल्याणपुर छोला निवासी लता भी पति और दो बच्चों के साथ यहीं रह रही थी। रविवार को परिवार ने खाना खाया और सोने की तैयारी कर रहे थे, तभी शराब के नशे में धुत प्रकाश राजपूत को लता से विवाद हो गया। विवाद बढ़ने लगा तो लता की तेरह साल की बच्ची से घर से गुस्सा होकर चली गई। पड़ोस में रहने वाले मजदूर बच्ची की तलाश करने निकले और उसे तलाशकर घर ले आए। इस दौरान कमरे का दरवाजा अंदर से बंद मिला। किसी तरह दरवाजा खोला गया तो लता फांसी के फंदे पर लटकी मिली। करीब 11 बजे मजदूर उसे फंदे से उतारकर निजी अस्पताल ले गए, वहां डॉक्टर ने चेक करने पर लता को मृत घोषित कर दिया।

महिला का पर्स लेकर चलती ट्रेन से कूदा बदमाश जेब से 20 हजार नकदी और युवती का पर्स चोरी

भोपाल। बैतूल से इंदौर की यात्रा कर रही एक महिला का पर्स लेकर बदमाश चलती ट्रेन से कूद गया। चोरी गए पर्स में करीब 55 हजार का सामान रखा हुआ था। इसी प्रकार एक युवती का पर्स एक युवक की जेब से 20 हजार रुपए नकदी चोरी हो गए। जीआरपी ने सभी मामलों में केस दर्ज कर लिया है। जानकारी के अनुसार फरियादिया पूनम नागले पिछले दिनों अम्बेडकर एक्सप्रेस में बैतूल से इंदौर की यात्रा कर रही थी। उनकी रिजर्वेशन स्लीपर कोच में था। इटारसी स्टेशन से ट्रेन निकलने के बाद जैसे ही आउटर के पास पहुंची, वैसे ही एक बदमाश ने उनका ब्राउन कलर का पर्स उठाया और चलती ट्रेन से कूद गया। पर्स के अंदर 20 हजार रुपए कीमत की एक सोने की चैन, एक हजार रुपए कीमत के बच्ची के हाथ के कड़े, चार हजार रुपे कीमत की चांदी की बिछिया, 15 हजार रुपए नकदी, 15 हजार रुपए कीमत का मोबाइल फोन समेत अन्य सामान रखा हुआ था।

ट्रेनों में मोबाइल चुराने वाला गिरफ्तार, 5 फोन जब्त

जनरल और स्लीपर कोच में यात्रियों से करता था मोबाइल चोरी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

जीआरपी इटारसी द्वारा ट्रेनों में मोबाइल चुराने वाले एक बदमाश को गिरफ्तार कर उसके पास से चोरी के पांच मोबाइल जब्त किए है। जब्त मोबाइल की कीमत 2 लाख 1 हजार रुपए बताई जा रही है। आरोपी स्लीपर और जनरल कोच में सफर कर रहे यात्रियों के मोबाइल चुराकर फरार हो जाता था। जीआरपी इटारसी निरीक्षक रामस्नेह चौहान ने बताया कि ट्रेनों में मोबाइल चोरी की घटनाएं बढ़ रही थी। जीआरपी रेलवे स्टेशन परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज लगातार चेक कर रही थी। इसके अलावा मुखबिर तंत्र सक्रिय किया गया था। मुखबिर से सूचना मिली कि दरगाह के पास नाला मोहल्ला इटारसी से एक संदिग्ध को खड़ा देखा। पुलिस को देखते ही वह भागने का प्रयास करने लगा, जिसे घेराबंदी करते हुए हिरासत में ले लिया गया। पूछताछ में उसने अपना नाम उमेश गौतम पिता स्वर्गीय दिनेश गौतम (31) रामपुर, जिला जादौन, उत्तर प्रदेश, हाल पता किराए का मकान दरगाह के पास नाला मोहल्ला इटारसी बताया। आरोपी से पूछताछ की गई तो उसने बताया कि एक साल पहले उसने पनवेल एक्सप्रेस में इटारसी स्टेशन पर स्लीपर कोच से एक यात्री का मोबाइल चोरी किया था। उक्त मोबाइल उत्तर प्रदेश में गोलू नामक युवक को बेच दिया।

पुलिस ने उक्त मोबाइल उत्तर प्रदेश से बरामद कर लिया। सख्ती से पूछताछ करने पर आरोपी बताया कि उसने चार अन्य मोबाइल चोरी किए है। पुलिस ने उससे चोरी किए गए एप्पल का मोबाइल समेत चार अन्य मोबाइल जब्त किए है। उक्त कार्रवाई में प्रधान आरक्षक रानू अतुलकर, आरक्षक दीपक सेन, आरक्षाक सुमित और आरक्षक मनोज की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

मेट्रो एंकर ग्रामीणों की मदद से आग पर काबू पाया

अहमदाबाद-बरौनी एक्सप्रेस की कोच में लगी आग से हड़कंप

सिवनीमालवा, दोपहर मेट्रो

सिवनी मालवा के पास धर्मकुण्डी और खुटवासा रेलवे स्टेशन के बीच बरौनी एक्सप्रेस के जनरेटर और पार्सल बोगी में आग लग गई। घटना। घटनास्थल पर खुटवासा गांव के किसानों ने आग बुझाने का प्रयास किया बाद में एक घंटे बाद दमकल पहुंची किंतु रेलवे विभाग की ओर से आग बुझाने का कोई ठोस उपाय नहीं किया गया।

घटना अहमदाबाद-बरौनी एक्सप्रेस में हुई है। अहमदाबाद से चलकर बरौनी जाने वाली ये ट्रेन दोपहर करीब 2 बजे खंडवा से इटारसी की ओर रवाना हुई थी। धरमकुंडी स्टेशन निकलने के बाद खंबा नंबर 724/12 के पास ट्रेन गार्ड ने धुआं निकलते देखा। जिसके बाद ट्रेन को अचानक रोका गया। ट्रेन के रुकने और आग की सूचना से यात्रियों में हड़कंप मच गया।आग लगने के बाद ट्रेन करीब सवा घंटे तक खड़ी रखी। बाद में आग वाले कोच को अलग कर ट्रेन को रवाना कर दिया गया। आग बुझाने की कोशिशें श्याम तक चलती रही बामुश्किल आग पर काबू पाया गया। आग लगने की इस घटना के कारण खंडवा से इटारसी आने वाला रेलवे डाउन ट्रैक पर यातायात बंद रखा गया। इस दौरान आस पास के ग्रामीणों की सजाता देखी गई ग्रामीणों ने अपने अपने खेतों में दवाई डालने बाले पंपों से आग बुझाने की भरसक कोशिश की।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022